सभी अखबारों में
विज्ञापन छपवाने
के लिए सम्पर्क करें
PAAVAN ADVERTISER
9311288839
9811288839
डी-4, सेफ्वे हाउस, प्रथम मंजिल, डी-ब्लॉक,
सैन्ट्रल मार्किट, प्रशांत विहार, दिल्ली-85

राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचारपत्र
पावन संसार
सच का आगाज़
संस्थापक : श्री संतोष कुमार RNI No. DELHIN/2011/40220 Postal No. G-3/DL(N)/267/2024-26 Date of Publication:- 12-06-2025
E-mail : paavansansar@gmail.com | paavansansar@yahoo.com www.paavansansar.com

हर क्षेत्र में साईकिल
द्वारा अखबार बांटने
वाले वेंडर चाहिए
पावन संसार
डी-4, सेफ्वे हाउस, प्रथम मंजिल, डी-ब्लॉक,
सैन्ट्रल मार्किट, प्रशांत विहार, दिल्ली-85
9311288839

वर्ष 14, अंक 43 नई दिल्ली, 12 से 18 जून 2025, संपादक - वीरेन्द्र कुमार अग्रवाल - 09811288839, सह संपादक - आर.पी. चौहान - 9213513590, कुल पृष्ठ संख्या-8 ₹ 5

स्थायी समिति चुनाव में अध्यक्ष चुनी गईं भाजपा की सत्या शर्मा, उपाध्यक्ष पद पर भी खिला कलम

नई दिल्ली (सं.)। एमसीडी की स्थायी समिति का चुनाव संपन्न हो गया। करीब ढाई साल बाद हुई स्थायी समिति की पहली बैठक में भाजपा की वरिष्ठ पार्षद सत्या शर्मा ने आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी प्रवीण कुमार को हराकर अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की। सत्या शर्मा को 11 मत मिले जबकि उनके प्रतिद्वंदी प्रवीण कुमार को सात

वोटों से संतोष करना पड़ा। भाजपा के ही सुंदर सिंह उपाध्यक्ष चुने गए। उन्होंने आम आदमी पार्टी की पार्षद मोहिनी को 11-7 के अंतर से हराया। स्थायी समिति के 18 सदस्य होते हैं।

महापौर राजा इकबाल सिंह ने समिति का सदस्य होने के चलते पीठासीन अधिकारी की भूमिका निभाते हुए अध्यक्ष पद का निर्वाचन करवाया। चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद महापौर ने दोनों नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। वहीं सत्या शर्मा ने कहा कि पिछले ढाई साल से विकास कार्य लगभग ठप रहे, लेकिन अब स्थायी समिति के गठन के साथ हम दिल्ली को साफ, सुंदर और स्वच्छ बनाने की दिशा में ठोस और सकारात्मक कदम उठाएंगे।

ज्वेलर के कर्मचारी से 40 लाख के गहने लूटे, बदमाशों ने चाकू मारकर किया घायल, अस्पताल में भर्ती

पीतमपुरा (सं.)। सुभाष प्लेस के कोहाट मेट्रो स्टेशन के पास बदमाशों ने चांदनी चौक के एक ज्वेलर के कर्मचारी सुभाष रामका (42) से 40 लाख के गहने लूट लिए। विरोध करने पर बदमाशों ने कर्मचारी को चाकू मारकर घायल कर दिया। घायल कर्मचारी को फोर्टिज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह अपने एक सहयोगी के साथ ज्वेलरों को गहने के नमूने दिखाने के लिए लाए थे।

पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया है। उत्तरी पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर साढ़े तीन बजे एक सूचना पर फोर्टिज अस्पताल पुलिस पहुंची। यहां चाकू लगने से घायल सुभाष रामका का इलाज चल रहा था। पूछताछ पर पता चला कि पीड़ित चांदनी चौक के ज्वेलर पंकज जैन की दुकान में काम करते हैं।

बृहस्पतिवार दोपहर तीन बजे सुभाष अपने साथी गोपाल के साथ गहने के नमूने लेकर ज्वेलरों को दिखाने कोहाट मेट्रो स्टेशन पहुंचे थे। कुछ देर बाद दो अज्ञात बदमाशों ने सुभाष से बैग छीनने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने उनपर चाकू से हमला कर दिया। घटना के समय गोपाल थोड़ी दूरी पर खड़ा था। बदमाश बैग छीनकर रोहिणी की ओर भाग गए।

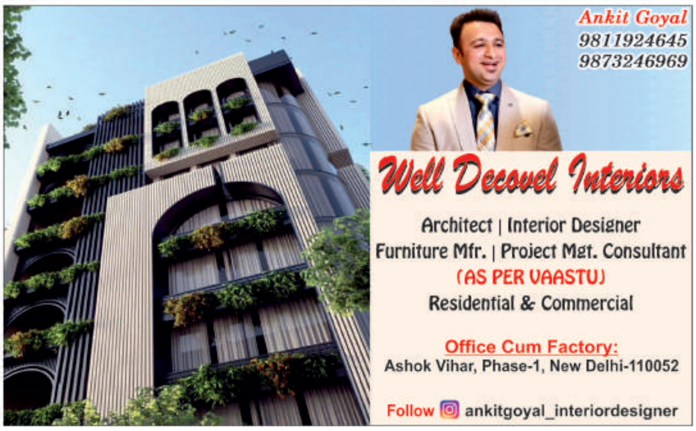

अन्तकाले च मामेव स्मरन्मुक्त्वा कलेवरम् । यः प्रयाति स मद्भावं याति नास्त्यत्र संशयः ।। ऽ।।

स्व. श्री तिलक राज गोयल जी
1948 to 09-06-2025

रस्मपगड़ी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे
श्री तिलक राज गोयल जी
का स्वर्गवास दिनांक 9 जून 2025 दिन सोमवार
को हो गया था। उनकी आत्मिक शांति हेतु
रस्म पगड़ी निम्न कार्यक्रम अनुसार होगी

रस्मपगड़ी

20 जून 2025, दिन शुक्रवार
हवन : प्रातः 9 बजे ब्रह्मभोज : दोपहर 11 बजे
स्थान : डी-138, प्रशांत विहार, दिल्ली-110085
रस्म पगड़ी : दोपहर 4 से 5 बजे
स्थान : अग्रवाल भवन, बी-ब्लॉक, प्रशांत विहार, दिल्ली-110085

-: शोकाकुल परिवार :-

सत्या गुप्ता (पत्नी)
सुधीर गोयल - रेणु गोयल (पुत्र-पुत्रवधु)
स्व.पुण्य गोयल (पौत्र)
कनिष्क गोयल (पौत्र)

एंव समस्त गोयल परिवार
निवास - डी-138, प्रशांत विहार, दिल्ली - 110085
प्रतिष्ठान : एपेक्स लाइफ साइंसेज़, कर्मपुरा, नई दिल्ली - 110015
मोबाइल : 9868163134, 9212544059

घर पर ही बनाएं कंडीशनर पैक

आज के आधुनिक युग में बालों पर मेंहदी लगाना, डाई करना व उनको कंडिशनिंग करना आम बात हो गई है। बालों को मुलायम बनाने व उनमें चमक लाने हेतु कंडिशनिंग करना आवश्यक भी है। आप बाजार से उच्च दामों पर कंडीशनर खरीदने की बजाय घर में ही पैक बना सकती हैं।

थोड़ी–सी दही में दो बड़े चम्मच नींबू का रस मिलाएं। रूखे बालों के लिए एक बड़ा चम्मच तेल भी मिलाया जा सकता है।

एक प्याज के टुकड़े करके उसे आधे प्याले पानी में लगभग एक घंटे के लिए भिगो दें। फिर प्याज को निकाल कर उस पानी से बालों की अच्छी तरह मसाज करें।

चूंकि कच्चा दूध बालों के रूखेपन को समाप्त करने में सहायक है अतः रूखे बालों को धोने के पश्चात् कच्चा दूध बालों में लगाएं व लगभग दस मिनट पश्चात् गुनगुने पानी से पुनः धो लें।

एक अण्डा फेंटकर उसमें नींबू का रस मिलाएं। बाल अधिक तैलीय हों तो नींबू का रस अधिक मात्राा में मिला सकती हैं।

दो छोटे चम्मच ग्लिसरीन में एक चम्मच सिरका मिलाकर बालों में लगाएं व लगभग 20 मिनट बाद धो दें।

मेंहदी बालों के लिए सबसे उपयुक्त कंडीशनर है। एक प्याले मेंहदी को चाय के उबले पानी में रात को भिगोकर रख दें। प्रातः इसमें नींबू मिला दें व बालों पर लगाएं। 45 मिनट बाद बालों को धो दें।

एक नींबू का रस, दो बड़े चम्मच मुलतानी मिट्टी, गुलाब जल व मिनरल पानी को मिलाकर पैक बनाएं।

आंवले और मेथी को रात को भिगोकर रख दें। सुबह इसका पेस्ट बनाकर बालों में लगाएं व 25.30 मिनट के बाद सिर धो लें।

एक अण्डे को फेंटकर उसमें एक चम्मच शहद और दो चम्मच नारियल का तेल मिलाकर पैक बना लें।

बालों को स्वस्थ व आकर्षक बनाना अति आवश्यक है। इसके लिए शुष्क बालों की सप्ताह में एक बार कंडिशनिंग अवश्य करें। सामान्य बालों को 10 दिन में एक बार व तैलीय बालों को माह में एक या दो बार कंडिशनिंग करें। ऐसा करने से आपके बाल स्वस्थ, सुन्दर व मुलायम होंगे।

– **भाषणा बांसल**

विविध प्रकार के अचार

आम का मीठा अचार

सामग्री

आम – 1 किलो (कच्चे)
गुड़ – 500 ग्राम
सौंफ – 50 ग्राम
मेथी – 50 ग्राम
कलौंजी – 50 ग्राम
नमक – 100 ग्राम
लाल मिर्च पाउडर – इच्छानुसार
हींग – चुटकी भर
सरसों का तेल – 150 ग्राम

विधि :– कच्चे आम को धोकर छील लें। उसे छोटी–छोटी फांकों में काटकर थोड़ा सा सुखा लें। सूख जाने पर नमक मिलाकर रख दें। पानी छूट जाने पर आम की फांकें निकाल लें। गुड़ को पानी में भिगो लें।

एक कढ़ाही में सरसों का तेल गर्म करें। उसमें हींग डालें। भुन जाने पर सब मसाले डाल दें। उन्हें भूनकर उसमें अचार की फांकें डालें। अब थोड़ा भुनने पर गुड़ वाला नमक का पानी उसमें मिलायें। गुड़ कढ़ाही में चिपकने लगे तो उतारकर उसमें गरम मसाला मिला लें।

ठंडा होने पर अचार को साफ और सूखे बरतन में भरकर रखें। दो–चार दिन धूप में उसे रखें। मीठा अचार तैयार है।

भिंडी व हरी मिर्च का अचार

सामग्री

भिंडी – 250 ग्राम
हरी मिर्च – 100 ग्राम
कच्चे आम – 3
राई – एक चम्मच
लहसुन–अदरक का पेस्ट–एक चम्मच
सौंफ – एक चम्मच
अचार का मसाला–2 चम्मच
नमक–स्वादानुसार
सरसों का तेल–250 ग्राम

विधि :– भिंडी और हरी मिर्च धो कर काट लें। तड़के के लिए चार–पांच चम्मच तेल कढ़ाही में गरम करें। गरम होने पर राई और सौंफ डालें। फिर लहसुन–अदरक का पेस्ट डालकर भूनें।

भिंडी को उसमें डालकर तेज आंच पर तब तक भूनें जब तक उसका लिसलिसापन समाप्त न हो जाये। फिर उसमें हरी मिर्च डालकर भूनें। आंच से उतारकर ठंडा करें, फिर बची–खुची सामग्री मिलायें। बाकी तेल को गरम करें। उसे पकाकर ठंडा होने पर अचार के ऊपर डाल दें।

मिक्स अचार

सामग्री

कच्ची सब्जियां (बींस, कमलककड़ी, घीया, गाजर, आम, हरी मिर्च, कटहल, नींबू 1 किलो।
अदरक – 50 ग्राम
प्याज – 100 ग्राम
नमक – 50 ग्राम
लाल मिर्च (पिसी) –25 ग्राम
गरम मसाला – 40 ग्राम
सरसों का तेल – 2300 ग्राम
ग्लेशियन एसिटिक एसिड – 8 ग्राम
सोडियम बेंजोएट – 1ग्राम

विधि :– सब्जियों को धोकर छील लें। उन्हें छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। उबलते पानी में डालकर उन्हें थोड़ा सा पकायें। हरी मिर्च, नींबू, आम न उबालें। उबली सब्जियों को छानकर सुखा लें। प्याज–अदरक को धोकर छील लें। सरसों का तेल गरम करके उनमें अदरक–प्याज डालकर भूनें। फिर सारी सब्जियां और मसाले डालकर कुछ देर भूनें। फिर उन्हें आंच से उतारें। उस गरम–गरम में ही ग्लेशियन एसिड मिलायें। थोड़े से पानी में सोडियम बेंजोएट घोलकर अचार में मिलायें। फिर उसे सूखे–साफ बरतन में भर लें।

– **शिखा चौधरी**

क्यों जरूरी है मैरिज काउंसलिंग

विवाह केवल दो लोगों का जीवन भर के लिए बंधन ही नहीं बल्कि दो परिवारों का एक अटूट रिश्ते में बंधन भी है। पहले संयुक्त परिवार में लड़कियों को लोक व्यवहार, दुनियांदारी, तहज़ीब व तमीज़ की ट्रेनिंग स्वतः ही प्राप्त हो जाती थी। वे अपनी मां, ताई, चाची को दादी की सेवा करते देखती थीं। दादाजी की इज्ज़त, उनकी आज्ञा का पालन करते देखती थी। उन्हें रिश्तों की अहमियत किसी को समझानी बतलानी नहीं पड़ती थी, इसलिए ससुराल जाकर वे आसानी से एडजस्ट कर लेती थीं।

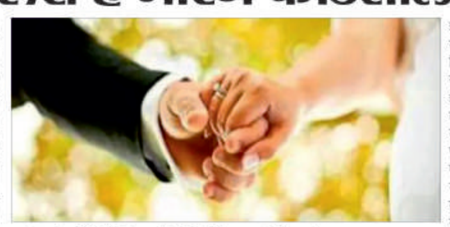

इसी तरह कितनी भी बेमेल जोड़ी क्यों न हों, पहले शादियां बहुत कम टूटती थीं। समाज व परिवार के दबाव के कारण लड़कियां इस पवित्रा बंधन को तोड़ पाने की हिम्मत जुटा नहीं पाती थीं।

पर आज ऐसा नहीं है। एकल परिवार के कारण एक तो रिश्तों के मामले में लड़का लड़की दोनों ही निपट अनाड़ी रह जाते हैं। दूसरा उच्च शिक्षा और पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित वे स्वयं को ही सब कुछ मानने की भूल कर बैठते हैं। अपने से हटकर भी कोई दुनियां है रिश्ते हैं, उनकी कितनी अहमियत है, इस विषय में लड़कियों को जरा भी ज्ञान नहीं होता।

कई बार उच्च शिक्षा और नौकरी के गुरूर में वे पति को अपने आगे कुछ न समझ कदम–कदम पर उसके अहम को ठेस पहुंचाती हैं। ऊपर से आज की फिज़ां में तैरती तमाम भड़काऊ बातें रही सही कमी पूरी कर देती हैं।

काउंसलिंग पहले भी होती थी हालांकि, छोटे पैमाने पर ही सही। तब लड़कियां बगैर तर्क किए जैसा घर की बड़ी औरतें समझातीं, फॉलो कर लेती थीं। इसी में उनका सुख निहित था। लड़की वाले हमेशा विनम्र होकर चलते। दो पार्टियों में से एक भी झुक जाए तो मामला सुलझते देर नहीं लगती।

आज लड़की वाले लड़की की शिक्षा और उसकी बराबर की कमाई को लेकर विनम्र होना तो दूर, अपने को समधियों से ऊपर समझते हैं। चूंकि दामाद भी लड़की की आज्ञानुसार ही चलता है तो अपर हैंड हर तरह से लड़की वालों का होने लगा है। अगर दहेज में उन्होंने मोटी रकम दी है तो उसे वसूलने का मौका भी उन्हें बाद में मिल जाता है। लड़की के घर में उनकी पूरी दखलअंदाजी होती रहती है। लड़की पर भी भावनात्मक रूप से वे पूरा कब्ज़ा जमाए रखना चाहते हैं।

लव मैरिज होने पर तो और भी बुरा हाल है। 'मियां बीवी राजी तो क्या करेगा काजी' की तर्ज पर पति पत्नी अपनी ही दुनियां में मस्त रहते हैं। परिवार के विरोध करने के फलस्वरूप वे उनसे रिश्ता ही तोड़ बैठते हैं जिसके बुरे अंजाम शीघ्र ही उनके सामने आ जाते हैं। भयावह अकेलापन, असुरक्षा, तनाव, खालीपन आगे उनके लिए यही रह जाता है।

मैरिज काउंसलिंग क्या है?

ब्यूटी पार्लर, मनोचिकित्सालय, स्लिमिंग सेंटर आदि की तरह मैरिज काउंसलिंग भी आज की आधुनिक जिन्दगी का हिस्सा है। यहां यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि मैरिज काउंसलिंग के नाम पर केवल व्यवसायिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखने वाली दुकानें भी बहुत खुल गई हैं। अगर कार्यकर्ता मनोवैज्ञानिक, ट्रेंड, अनुभवी सोशल वर्कर हैं तो उनसे उम्मीद की जा सकती है।

यहां केवल किताबी बातों से काम न चलेगा। फिर भी जैसा होता है मैरिज काउंसलर भावी पति पत्नी को शादी के बाद की हकीकत से रूबरू करा के शादी के बाद आने वाली आम समस्याओं के प्रति सचेत कर उनसे निपटने के तरीके बताते हैं। खाली युगलों को समझाने से ही बात नहीं बन सकती क्योंकि असली प्रॉब्लम तो ससुरालिए हैं, इसलिए मैरिज काउंसलर डॉक्टर मीरा माथुर के अनुसार काउंसलिंग उनके लिए भी उतनी ही अहम मानी जानी चाहिए।

काउंसलिंग के क्या लाभ भी हैं?

वैवाहिक जीवन का आधार स्तंभ सैक्स है लेकिन चूंकि सैक्स हमारे यहां एक वर्जित विषय रहा है अतः युवा इसके बारे में जानकारी हासिल करने से झिझकते हैं। आधी अधूरी जानकारी से ही वे वैवाहिक जीवन में प्रवेश करते हैं। नतीजा कई बार किसी छोटी मोटी साइकोलोजिकल प्रॉब्लम को वे शारीरिक दोष मान बैठते हैं। कई बार इसी के चलते वे नीम हकीमों, के चक्करों में फंस कर अपना समय और पैसा बर्बाद कर लेते हैं। उनके भय को ये झूठे और मक्कार चिकित्सक खूब भुनाते हैं। मैरिज काउंसलर युवाओं को पूरी सैक्स एजुकेशन देकर वैवाहिक जीवन को सफल बनाने के गुर बताते हैं। साथ ही गर्भनिरोध के लेटेस्ट वैज्ञानिक उपाय बताते हैं। वे ये सब बातें भावी दंपति की आयु तथा अन्य जरूरी बातों को ध्यान में रख कर करते हैं।

वे लड़कों को भी उनकी जिम्मेदारियां समझाते हैं। मैरिज काउंसलर मनीष मेहता बताते हैं कि काउंसलर भी एक मनोविश्लेषक की भांति उन्हें ट्रीट करता है। उससे बातें करते हुए उनकी जो सोच सामने आती है उससे पता लग सकता है कि विवाहोपरांत इनके बीच कांपेटिबिलिटी संभव है, या नहीं। इससे शादी के लिये फैसला ले पाना सरल हो जाता है।

सिद्धांत मुखर्जी जो मैरिज ब्यूरो और मैरिज काउंसलिंग दोनों साथ चला रहे हैं, दावा करते हैं कि उनके यहां काउंसलिंग के बाद विवाह शर्तिया सफल होंगे।

दरअसल शादी के बाद एक नया जीवन शुरू होता है। उसमें हर कदम पर जिम्मेदारियां ही जिम्मेदारियां हैं। हर भावी दंपति सुखी एवं सफल वैवाहिक जीवन की कामना करता है। यार दोस्तों या सखी सहेलियों की अपरिपक्व कई बार अनैतिक, खुदगर्जी सिखलाने वाली बातों से अच्छा है किसी अच्छी प्रतिष्ठित जगह से काउंसलिंग कर ली जाए।

– **उषा जैन 'शीरीं'**

– चुटकुले –

बॉस ने जोक सुनाया
पूरी टीम हंसने लगी, सिवाए टीना के
बॉस ने पूछा– तुम्हें मेरा जोक समझ में नहीं आया क्या?
टीना– सर, मेरा दूसरी कंपनी में सेलेक्शन हो गया है
सुनकर बॉस के होश उड़ गए......

....

राजू (सुरेश से) यार भारत ही एकमात्र ऐसा देश है,
जहां खराब मौसम के लिए भी दूसरों को ही दोषी ठहराया जाता है
जैसे– और वर्मा जी आपने तो बहुत बारिश करवा रखी है......

....

पप्पू लाइब्रेरी जाकर पूछता है– आत्महत्या करने के तरीकों की किताब है क्या?
लाइब्रेरियन ने उसे घूर कर देखा और बोला– वापस करने कौन आएगा बे.....

....

टीचर – अगर श्याम अपनी भाभी को दस गुलाब देगा,
तो उसके पति धनश्याम को अपनी पत्नी को खुश करने के लिए
कितने गुलाब देने होंगे?
पप्पू– सर, ये सवाल से ज्यादा, गुनाह की दस्तक लग रहा है......

....

बॉस (गुस्से में)– क्या कभी तुमने गधा देखा है?
पप्पू (सिर नीचे करके)– नहीं
बॉस– नीचे क्या देख रहे हो, मेरी तरफ देखो......

....

रास्ते में एक आदमी ने दूसरे आदमी को रोककर पूछा,
भाई साहब, भाभीजी लेफ्टी हैं क्या?
पहला आदमी– हां, पर आपको कैसे पता चला?
दूसरा आदमी– वो आपका दायां गाल सूजा हुआ है ना......

....

दामाद– आपकी बेटी ने मेरी नाक में दम कर रखा है
ससुर– दामाद जी, जरा मेरे बारे में सोचो
मेरे पास तो उसकी मां है......

....

शादी के कुछ दिन बाद दामाद ने अपने ससुर को फोन लगा कर बोलता है–
आपकी बेटी में तो हजारों कमियां हैं
ससुर– हां बेटा, इसी वजह से तो उसे, कोई अच्छा लड़का नहीं मिल रहा था
सुनकर दामाद बेहोश.....

....

लड़का– तुम्हारा नाम क्या है?
लड़की– तमन्ना
लड़का– तुम्हारे पापा का नाम सरफरोश है क्या?
लड़की– क्यों?
लड़का– क्योंकि सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है.....

....

गोलू– भगवान लड़कियां हमेशा प्यारी होती हैं
पर बीवी क्यों इतनी खतरनाक होती है?
भगवान– क्योंकि लड़कियां मैं बनाता हूं और उन्हें बीवी तुम बनाते हो
तुम्हारी समस्या तो तुम ही झेलो..

....

टीचर (चिंटू से)– चलो खड़े होकर X की वैल्यू बताओ?
चिंटू– सर जान थी वो मेरी, बहुत याद आती है उसकी
चिंटू की बात सुनकर टीचर ने की जमकर कुटाई.....

....

पापा– बेटा 5 के बाद क्या आता है?
बेटा– 6 और 7
पापा– शाबाश मेरा बेटा तो बहुत इंटेलीजेंट है
अच्छा तो 6, 7 के बाद
बेटा– 8, 9, 10
पापा– और उसके बाद?
बेटा–और उसके बाद
गुलाम, बेगम और बादशाह.......

....

चिंटू नाई की दुकान पर बाल कटवा रहा था,
इतने में ही एक बहुत ही सुंदर लड़की दुकान में आई
चिंटू बोला– नमस्ते जी, आप बहुत सुंदर हैं।
लड़की– शुक्रिया!
चिंटू– क्या आज शाम को हम कहीं मिल सकते हैं?
लड़की–अजी नहीं, मैं शादीशुदा हूं।
चिंटू– पति से कह देना सहेली से मिलने जा रही हूं..!
लड़की– आप खुद कह दो वही इस समय आपके बाल काट रहे हैं..!
नाई ने चिंटू को कर दिया गंजा!

....

टीचर क्लास में गणित पढ़ा रहा था।
टीचर– बोर्ड में 55 लिखो।
संता– सर कैसे लिखते हैं।
टीचर– पांच लिखे फिर उसके साइड में एक और 5 लिखे।
संता ने बोर्ड में 5 लिखा और रुक गया।
टीचर– अबे क्या हुआ रुक क्यों गया।
संता– सर दूसरा 5 किस साइड लिखूं समझ नहीं आ रहा।

....

पावन संसार परिवार की ओर से जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं

पावन संसार के आजीवन सदस्य/ सम्मानित सदस्य बनने के लिए सम्पर्क करें

9811288839, 9311288839

जाम मुक्त होगा दिल्ली का सबसे व्यस्त चौराहाः नया फ्लाईओवर बनाने की तैयारी, रोज होते हैं लाखों लोग परेशान

नई दिल्ली (सं.)। आईटीओ चौराहे पर हर दिन लगने वाले ट्रैफिक जाम से राहत मिलेगी। लोक निर्माण विभाग ने इस व्यस्त चौराहे पर फ्लाईओवर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। यह परियोजना रिंग रोड और विकास मार्ग को जोड़ने वाले ट्रांजिट कॉरिडोर को बेहतर बनाने का हिस्सा है, जिससे दिल्लीवासियों का सफर आसान और तेज होगा।

इस परियोजना की विस्तृत कार्य योजना (डीपीआर) तैयार करने के लिए पीडब्ल्यूडी ने करीब दो करोड़ रुपये का बजट जारी किया है। इसमें एक सलाहकार एजेंसी के जरिए ट्रैफिक और तकनीकी पहलुओं का अध्ययन (पीसिबिलिटी स्टडी) होना है। ये सलाहकार एजेंसी करीब सात महीने में डीपीआर तैयार करेगी। इसमें ट्रैफिक अध्ययन, परियोजना पर होने वाला खर्च और पर्यावरणीय मंजूरी, पेड़ों की कटाई के लिए सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) की मंजूरी, यूटीपेक और डीयूएसी से डिजाइन मंजूरी शामिल होगी। दो जुलाई तक सलाहकार एजेंसी तय की जानी है।

आईटीओ के आस-पास बेहतर होगी कनेक्टिविटी – पीब्ल्यूडी के मुकाबिक इस परियोजना में सिर्फ फ्लाईओवर और अंडरपास ही नहीं, बल्कि पूरे कॉरिडोर और उसके आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क और कनेक्टिविटी को भी सुधारा जाएगा। आईटीओ और इसके आस पास के सभी चौराहों, मध्य-खंडों का विस्तृत थ्री-डी डिजाइन तैयार किया जाएगा। इसके शुरुआती सर्वे में पाया गया है कि रिंग रोड से विकास मार्ग की ओर फ्लाईओवर बनाना संभव है, लेकिन बहादुर शाह जफर मार्ग पर रेलवे लाइन और मेट्रो के कारण फ्लाईओवर या अंडरपास बनाना मुश्किल है। सलाहकार एजेंसी को ट्रैफिक सर्वे, जियो-टेक्निकल जांच और थ्री-डी डिजाइन बनाकर इसका हल निकालना होगा।

आईटीओ चौराहा प्रमुख ट्रैफिक हब – आईटीओ चौराहा दिल्ली का एक प्रमुख ट्रैफिक हब है, जहां रिंग रोड, विकास मार्ग और बहादुर शाह जफर मार्ग मिलते हैं। यहां भारी ट्रैफिक और पैदल यात्रियों की भीड़ के कारण अक्सर जाम लगता है। सरकारी दफ्तरों, जैसे आयकर भवन और आईसीएआई के साथ आईटीओ मेट्रो स्टेशन, बस स्टॉप इस इलाके को और व्यस्त बनाते हैं। इस कारण कई बार विकास मार्ग और अक्षरधाम तक घंटों जाम लगता है। पीडब्ल्यूडी का लक्ष्य है कि यहां एक फ्लाईओवर बनाकर ट्रैफिक को सुचारू किया जाए।

मुकरबा चौक (करनाल बाईपास) पर यात्रियों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित देख भावुक हुए समाजसेवी राकेश गुप्ता बंधु, सरकार से जनसुविधाओं की अपील

प्रख्यात समाजसेवी व उद्योगपति राकेश गुप्ता "बंधु" ने पावन संसार से बातचीत में एक अत्यंत गंभीर और मानवीय मुद्दा उठाया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के करनाल बाईपास, जिसे आमतौर पर मुकरबा चौक के नाम से जाना जाता है, यहां से प्रतिदिन हजारों यात्री हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर की ओर यात्रा करते हैं। इसके बावजूद, इस महत्वपूर्ण यात्री पड़ाव पर यात्रियों के लिए कोई भी बुनियादी सुविधा उपलब्ध नहीं है।

राकेश गुप्ता "बंधु" ने बताया कि यहाँ न तो पीने के पानी की व्यवस्था है, न चाय-पानी की दुकानों का कोई ठिकाना और न ही कोई शौचालय या छांव की जगह। महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे और बीमार यात्री चिलचिलाती धूप, तेज़ बारिश, सर्द हवाओं और आँधी-तूफान के बीच खुले आसमान के नीचे खड़े रहने को मजबूर हैं। ऐसी स्थिति में महिलाओं को विशेष रूप से अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ता है, जो किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है।

बंधु जी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी और भाजपा सरकार से विनम्र निवेदन किया है कि इस अहम सार्वजनिक स्थान पर शीघ्र जनसुविधाओं का निर्माण किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार या तो स्वयं यहां यात्रियों के लिए छाया स्थल, पेयजल, शौचालय और

राकेश कुमार गुप्ता बन्धु
दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष

विश्रामगृह जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराए, या इस स्थान को किसी निजी संस्था को लीज़ पर देकर जनसुविधाओं का निर्माण करवाए।

उन्होंने कहा, यात्रा केवल मंज़िल तक पहुँचने का नाम नहीं, बल्कि उस यात्रा के हर पड़ाव को सम्मान और सुविधा से पूर्ण बनाना एक जिम्मेदार समाज की पहचान होती है। हमारी माताओं, बहनों और बुजुर्गों की पीड़ा को समझना और उसे दूर करना सरकार और समाज दोनों की ज़िम्मेदारी है।

राकेश गुप्ता "बंधु" ने दिल्लीवासियों से भी अपील की कि वे इस विषय पर एकजुट हों और सरकार का ध्यान इस ओर केन्द्रित करें, ताकि मुकरबा चौक को एक सुरक्षित और सुविधाजनक यात्री पड़ाव के रूप में विकसित किया जा सके। उन्होंने अंत में कहा, यात्रियों की सुविधा, हमारी सामाजिक संवेदनशीलता की परीक्षा है। अब इस परीक्षा में सरकार को सफल होना चाहिए।

3D-SPACE interiors
We shape your dreams

Ar./ Er. Shiv Shankar Bansal
M.Plan, B.Arch., B-Tech (Civil), AMIE (India), A.I.I.A, (Registered Valuer)
DELDGIAJNPB6323P
INCOME TAX, CYBER FORENSIC LAB
Assistant Professor in C.C.L.S, Sampla
9891390186, 7701825341

- ARCHITECTS
- CONSTRUCTION
- STRUCTURE CONSULTANTS
- TURNKEY SOLUTIONS
- INTERIOR DESIGNERS
- PROJECT MANAGEMENT CONSULTANCY
- REGISTERED VALUER
- VASTU
- 3D-VISULISER

C-8/49, Sector-8, Rohini, Near Metro Pillar No.380, Delhi-85
011-47071494, 46063516, 9211963244 (O)
3dspaceinteriors17@gmail.com www.3dspaceinteriors.com

नोएडा एयरपोर्ट से जुड़ेंगे हरियाणा, उत्तराखंड और यूपी के शहर, बढ़ेगा रोजगार और पर्यटन

नई दिल्ली (सं.)। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनआईए) को हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों से बस रूट के माध्यम से जोड़ा जा रहा है। इससे देश-विदेश से आने-जाने वाले यात्रियों को बेहतर ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी मिलेगी और क्षेत्र में पर्यटन व रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

इसके लिए एनआईए ने हरियाणा व उत्तराखंड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन से करार किया है, जबकि यूपी ट्रांसपोर्ट से बातचीत जारी है। टर्मिनल के निकट एक बस स्टॉप बनाया जाएगा, जहां से उत्तराखंड के देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार, हल्द्वानी और हरियाणा के शहरों

के लिए सीधी बस सेवाएं उपलब्ध होंगी। यात्रियों को अब दिल्ली या नोएडा आने की जरूरत नहीं होगी।

पलवल, फरीदाबाद और गुरुग्राम जैसे शहर हवाई अड्डे के नजदीक हैं। ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के जरिए इन स्थानों तक 25 मिनट से एक घंटे में पहुंचा जा सकेगा। वहीं, कुरुक्षेत्र, चंडीगढ़, हिसार, नारनौल, पानीपत और अंबाला जैसे शहरों तक भी कुछ ही घंटों में यात्रा संभव होगी।

अहमदाबाद-लंदन एयर इंडिया विमान हादसाः सिर्फ एक जीवित, एमबीबीएस हॉस्टल में भी तबाही

अहमदाबाद (सं.)। एयर इंडिया की फ्लाइट AI-171, बोइंग 787-8 (VT-ANB), अहमदाबाद से बस 30 सेकंड की उड़ान में सुबह 13:38 IST पर टेक-ऑफ करने के तुरंत बाद क्रैश हो गई। विमान लंदन गैटविक की ओर जा रहा था। अपरलक्षित कारणों से विमान मेघानी नगर में BJ मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल बिल्डिंग में जा टकराया।

विमान में 230 यात्री और 12 क्रू मेम्बर थे। केवल एक ही जीवित बचे ब्रिटिश नागरिक विश्वश कुमार रमेश, जो इमरजेंसी एग्जिट सीट 11A पर बैठे थे।

अन्य 241 लोगों की मौत हो गई, जिनमें विमान के सभी यात्रियों व क्रू सहित हॉस्टल में खाना या रहने वाले MBBS छात्र भी शामिल थे। ग्राउंड में कम से कम 28 और घायल बताए गए हैं, जिनमें से 60 से अधिक को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि केंद्रीय और राज्य सरकार की त्वरित गतिविधियों की बदौलत दस मिनट के भीतर राहत और बचाव कार्य शुरू हो गया। एयर इंडिया के मालिक टाटा समूह ने प्रत्येक मृतक यात्री

के परिजनों को 1 करोड़ मुआवजे का ऐलान किया।

सबसे बड़ा सवाल दुर्घटना के कारणों को लेकर है: प्रारंभिक जांच में इंजन या लैंडिंग गियर फेलियर की आशंका जताई जा रही है। एक ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है, जबकि दूसरा अभी खोजना बाकी है। भारत की AAIB, यूके की NTSB और BOEING की टीमें मिलकर जांच कर रही हैं

स्थानीय अस्पतालों को इमरजेंसी घोषित कर दिया गया था और एयरपोर्ट पर हवाई सेवा कुछ समय के लिए ठप रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, साथ ही कई विदेशी राष्ट्राध्यक्षों ने शोक व्यक्त किया।

विष्वशकुमार रमेश, दुर्घटना के एकमात्र जीवित आश्रित, को गंभीर चोटों के बावजूद नया जीवन संभव हुआ बताया जा रहा है वे अस्पताल में स्थिर स्थिति में हैं। लेकिन शोकाकुल परिवारों के लिए यह पल शायद कभी खत्म न हो सके।

इस विमान दुर्घटना ने एक ओर वायुयान मॉडल बोइंग 787 की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं, वहीं दूसरी ओर प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने व भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सशक्त कार्रवाई की उम्मीद जगाई है।

भारत एकता परिवार ट्रस्ट द्वारा निर्जला एकादशी पर रक्तदान शिविर, छबील एंव भंडारे का आयोजन

नई दिल्ली (अविनाश गर्ग)। धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में अग्रणी संस्था भारत एकता परिवार ट्रस्ट द्वारा निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर शनिवार, 7 जून 2025 को एक विशाल रक्तदान शिविर एवं छबील (मीठे जल वितरण) और भंडारे का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम त्रिवेणी प्रॉपर्टीज़, ए-3/224, सेक्टर-7, रोहिणी, दिल्ली (सेक्टर-7/8 की डिवाइडिंग रोड पर) में संपन्न हुआ।

शिविर का शुभारंभ प्रातः 10 बजे हुआ, जो दोपहर 3 बजे तक चला। इस दौरान अनेक लोगों ने रक्तदान किया और सेवा कार्य में भाग लिया। दोपहर 12 बजे से भंडारे की शुरुआत की गई, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने स्वादिष्ट प्रसाद ग्रहण किया।

संस्था के पदाधिकारियों एवं सेवाभावी सदस्यों में महंत डा. नीरज स्वामी जी (चेयरमैन), अजय गर्ग उचाना (संस्थापक), चौधरी हरपाल सिंह (प्रमुख), राजेन्द्र गर्ग (प्रधान), संजय छिकारा (महामंत्री एंव कानूनी सलाहकार), अरूण सिंघला (कोषाध्यक्ष), उपप्रधान – श्याम बंसल व सतीश गर्ग, सह-कोषाध्यक्ष – त्रिलोक गर्ग एंव सुरेश गुप्ता, मार्ग दर्शक – परम हंस साध्वी श्री देवी माँ, स्वामी नित्यानंद गिरी, डॉ प्राची आर्या, महंत डा. जोगिन्द्र मान, सहयोगी – तपन कृष्णा काकोटी, प्रमोद गर्ग उचाना, प्रदीप भईया, डा. आर.बी. दूबे, सलाहकार – बी. के. सिंह (ACP), उपेन्द्र कुमार सिंह (SHO), जितेन्द्र गोयल (प्रधान –अग्रवाल भवन, सैक्टर 8 रोहिणी), डॉ. तारिक, चित्रा अग्रवाल (पूर्व निगम पार्षद), एडवोकेट हरिओम गोयल, बलजीत दहिया, हंसराज गर्ग,, प्रेम चंद गर्ग, संजय गोयल उचानिया, डा. आशिष कुमार गोयल, मीडिया पार्टनर – पी. के. अग्रवाल (पावन संसार), सदस्य– अर्जुन बिंदल, मुकेश गोयल (उचानिया), प्रवीण मित्तल, विनोद जिंदल, सुशील अग्रवाल, नितिन गोयल, वीरेन्द्र गर्ग (कैथल), सचिन जिंदल, मनिक कुमार वर्मा, सुनील गर्ग, डा. उत्तम लामेछामे, जगजीत सिंह, विष्णु अग्रवाल, कमल कान्त गर्ग सहित कई अन्य सम्मानित सदस्य।

इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों ने पावन संसार को बताया हमारा उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव सेवा, रक्तदान जैसे जीवनरक्षक कार्य, छबील, भंडारा, और समाज में सद्भावना एवं भाईचारे का विस्तार करना है। भारत एकता परिवार ट्रस्ट जनसेवा की भावना को लेकर संकल्पित है और समाज के हर वर्ग तक सहयोग की भावना पहुँचाना हमारा कर्तव्य है।

इस आयोजन को देखकर कहा जा सकता है कि

भारत एकता परिवार ट्रस्ट आज दिल्ली की सामाजिक संस्थाओं में अग्रणी स्थान रखता है। संस्था की निःस्वार्थ सेवाएं, संगठित कार्यशैली और समर्पित नेतृत्व समाज में प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं।

दिल्ली और बंगलूरू में चलेगी उड़ने वाली बसें? नितिन गडकरी ने बताई भविष्य की ट्रांसपोर्ट योजना

तीनों के शरीर पर अनगिनत फैक्चर, 29 वर्ष पहले परिवार के साथ दिल्ली आए थे यश

नई दिल्ली (सं.)। दिल्ली के द्वारका में आग लगने के कारण नौवी मंजिल से कूद कर जान गंवाने वाले यश यादव उत्तर प्रदेश के एटा जिला स्थित अपने पैतृक गांव शाहबाजपुर से 29 वर्ष 1996 में परिवार के साथ दिल्ली आए थे। वे दिल्ली में फ्लैक्स, रूम डिजाइनिंग और एडवर्टाइजिंग का काम करते थे। उनके पास शब्द अपार्टमेंट की नौवीं और दसवीं मंजिल पर फ्लैट था।

दोनों फ्लैट एक सीढ़ी के जरिये आपस में जुड़े थे। पुलिस अधिकारी के अनुसार, मंगलवार को लगी आग के दौरान कारोबारी यश यादव की पत्नी मामता यादव, बड़ा बेटा आदित्य व भाई की पत्नी मुख्य गेट की तरफ थे। आग लगते ही यह लोग बाहर निकल गए। कारोबारी और उनकी बेटी आसिमा और भतीजा शिवम अंदर की तरफ थे। इस कारण वे

बाहर नहीं निकल गए।

तीनों के शरीर पर आए अनगिनत फैक्चर – पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नौवी मंजिल से कूदने से तीनों के शरीर में अनगिनत फ्रैक्चर आए हैं। उनकी एमएलसी (मेडिको लीगल केस) मौके पर हुई मौत की बनी है। नार्थ थाना पुलिस ने लापरवाही से हुई मौत का मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी हैं।

पश्चिमी रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त जतिन नरवाल ने बताया कि यश यादव, उनकी बेटी आसिमा, और भतीजे शिवम के शव का बुधवार को पोस्टमार्टम हो गया। शव दोपहर को परिजनों को सौंप दिए गए। द्वारका पुलिस एफएसएल की टीम के साथ आग वाले मकान में पहुंची। आग और दोनों बच्चों के साथ कारोबारी के कूदने के सीन का रिक्रिएशन किया गया।

बहन के घर था भंडारा – दिल्ली में रहने वाली यश की बहन के घर भंडारा था। इस वजह से रिश्तेदार यश के घर पर भी जुटे थे। यश के पैतृक गांव के प्रधान धर्मेंद्र ने बताया, आग लगने के बाद यश डेढ़ घंटे तक फायर सर्विस की मदद मांगते रहे।

धू-धूकर जली बहुमंजिला इमारत से जान बचाने के लिए कूदे पिता और दो बच्चों की मौत – दिल्ली के द्वारका इलाके में मंगलवार सुबह एक रिहायशी इमारत की आठवीं और नौवीं मंजिल पर लगी आग से व्यवसायी यश यादव (35) और बेटी आशिमा (10) और भतीजे शिवम (12) की मौत हो गई। धुएं और आग से घिरा होने की वजह से असहाय दोनों बच्चों ने खुद को बचाने के लिए आठवीं मंजिल की बालकनी से छलांग लगा दी। फिर यश भी कूद गए। घायल अवस्था में तीनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

पा व न वचन

नेत्र दान करें

सम्पादकीय

हवाई सुरक्षा पर उठते सवालः अहमदाबाद विमान हादसे से सबक लेने की जरूरत

वी.के. अग्रवाल
संपादक

अहमदाबाद में टाटा समूह की एक एयरलाइन का विमान हादसे का शिकार होना एक अत्यंत दुखद और चिंताजनक घटना है। इस हृदयविदारक दुर्घटना में कई निर्दोष लोगों की जान चली गई, जबकि कई गंभीर रूप से घायल हुए हैं। शोकाकुल परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

यह हादसा सिर्फ एक तकनीकी चूक या मानवीय गलती भर नहीं हो सकता। जब बात हवाई सुरक्षा की होती है, तो जरा–सी लापरवाही भी दर्जनों जिंदगियों पर भारी पड़ सकती है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार हादसे की असली वजह जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन यह स्पष्ट है कि कहीं न कहीं सुरक्षा मानकों की अनदेखी हुई है। चाहे वह तकनीकी मेंटेनेंस की चूक हो, मौसम की गलत जानकारी हो या पायलट की त्रुटि इन सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच अत्यंत आवश्यक है।

टाटा समूह की एयरलाइन, जो आमतौर पर अपनी गुणवत्ता और सेवा के लिए जानी जाती है, उसका इस तरह हादसे में शामिल होना चिंताजनक है। यह पूरे नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए चेतावनी है कि वे अपनी व्यवस्था की गहन समीक्षा करें और सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की कोताही को बिल्कुल बर्दाश्त न करें।

सरकार और विमानन महानिदेशालय (DGCA) को चाहिए कि वे इस हादसे की उच्च स्तरीय जांच कराएं और दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही, यह भी जरूरी है कि सभी एयरलाइंस को समय–समय पर सुरक्षा ऑडिट की बाध्यता दी जाए और उनकी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए ताकि यात्रियों का भरोसा कायम रह सके।

यह हादसा एक सबक है केवल मुआवजा और जांच की घोषणाएं ही काफी नहीं होतीं, जब तक कि ठोस सुधार न किए जाएं। देश की जनता की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए, और इसमें किसी भी तरह की ढिलाई का अब कोई स्थान नहीं है।

paavansansar@gmail.com

रोहिणी के आंबेडकर अस्पताल में नवजात की मौत, परिजनों ने डॉक्टर पर किया हमला, पुलिस ने दर्ज किया मामला

रोहिणी (सं.)। रोहिणी स्थित बाबा साहेब आंबेडकर अस्पताल में नवजात शिशु की मौत से गुस्साए तीमारदारों ने एक महिला डॉक्टर पर हमला कर दिया। डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को बाउंड डाउन कर बाद में रिहा कर दिया।

मिली जानकारी के मुताबिक डॉक्टर ने शिकायत दी है कि जब वह अपने वार्ड में जा रही थी, तभी उन पर वार्ड में भर्ती एक महिला के रिश्तेदारों ने हमला कर दिया। इस दौरान गला दबाने, कपड़े फाड़ने की घटना हुई। शरीर पर कई नाखून के निशान भी है। एक अन्य महिला डॉक्टर के साथ भी हाथापाई की गई।

इस मामले में रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि डॉक्टर की शिकायत पर उत्तरी रोहिणी थाना पुलिस ने हमला करने वाली महिलाओं पर मामला दर्ज कर लिया है। सभी पांच महिलाओं को बाउंड डाउन के बाद रिहा कर दिया गया। यह घटना सोमवार दोपहर की हैं। इस घटना में आरोपी अस्पताल में भर्ती सोनिया के रिश्तेदार हैं। सोमवार की सुबह सोनिया के नवजात शिशु की मौत हो गई थी। तभी महिलाओं ने गुस्से में महिला डॉक्टर पर हमला कर दिया। डॉक्टर मांग कर रहे हैं कि बिना किसी देरी वारदात के समय मौके पर तैनात लापरवाही बरतने वाले सुरक्षाकर्मी को भी बर्खास्त किया जाए। वहीं आरोपी की गिरफ्तारी भी हो।

फाइमा ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र – बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ हुई घटना के विरोध में फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फाइमा) ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर जल्द कार्रवाई की मांग की है। इस पत्र की कॉपी प्रधानमंत्री कार्यालय भी भेजी गई है।

पत्र में कहा गया कि रोहिणी स्थित कॉलेज में आरजीकेएआर जैसी घटना हुई है। यहां पर परिसर के अंदर महिला रेजिडेंट डॉक्टर पर शारीरिक हमला हुआ। शुरूआती रिपोर्ट में डॉक्टर का गला घोंटना, कुर्ता फटा होना, पूरे शरीर पर नाखून के निशान का पता चला। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद है, लेकिन अधिकारियों ने कथित तौर पर फुटेज तक पहुंच से इन्कार कर दिया, जिससे न्याय में देरी हो रही है। उन्होंने मांग की कि पीड़ित को न्याय मिले और आरोपी को सख्त सजा मिलनी चाहिए।

यमुना को साफ रखने के लिए अब ड्रोन से होगी नालों की निगरानी, पुरानी समितियां भंग, नए सिरे से होगा काम

नई दिल्ली (सं.)। यमुना सफाई में गंभीरता दिखाते हुए दिल्ली सरकार ने सभी नालों की ड्रोन से निगरानी कराने का निर्णय लिया है। इसके अलावा 40 विकेन्द्रीकृत एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) को मंजूरी दे दी है। इन पर 4000 करोड़ रुपये की लागत से काम शुरू हो गया है। इसके अलावा मौजूदा एसटीपी को भी पुनर्जीवित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्वीकार किया कि यमुना की सफाई एक लंबा और चुनौतीपूर्ण काम है, लेकिन उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यमुना में गिरने वाले प्रदूषित नालों की पहचान और उनके उपचार के लिए ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल शुरू हो गया है। इससे यह पता लगाया जा रहा है कि नालों में कितना पानी बह रहा है, कितनी सिल्ट है, उनको और कितना बेहतर किया जा सकता है।

यमुना सफाई की पुरानी समितियां भंग, नए सिरे से होगा काम रू रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना की वास्तविक सफाई तभी शुरू होगी, जब प्रदूषित नालों को पूरी तरह साफ कर लिया जाएगा।

उन्होंने पिछली व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए कहा, कि जब हमने शुरुआत की तो पाया यमुना सफाई को लेकर 20 से ज्यादा समितियां बनी हुई थीं, जिनमें कोई सामंजस्य नहीं था। उन्होंने बताया कि इसके लिए सभी समितियों को भंग करके एक नई संरचना बना रहे हैं, जो एक एकीकृत दृष्टिकोण के साथ काम करेगी।

रोहिणी में नाबालिग को चाकू से गोदकर उतारा मौत के घाट, अलीपुर में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

रोहिणी (सं.)। रोहिणी साउथ इलाके में क्लब में नाचने के दौरान पैर टकराने पर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। बात इतनी बढ़ गई कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के एक नाबालिग को दौड़ा दौड़ा कर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। घायल नाबालिग को पास के अस्पताल में ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों की पहचान कर तीन को पकड़ लिया। तीनों आरोपी नाबालिग हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर अन्य आरोपियों की पहचान कर रही है।

रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि 9 जून को साउथ रोहिणी थाना पुलिस को रोहिणी सेक्टर–3 स्थित डब्ल्यू मॉल के पास वारदात की जानकारी मिली। मौके पर पता चला कि चाकू लगने से घायल नाबालिग है और उसे पीसीआर पास के अस्पताल में लेकर गई है। पुलिस वहां से अंबेडकर अस्पताल पहुंची। जहां उसका इलाज चल रहा था।

उसकी पहचान मंगोलपुरी निवासी चंदर (13) के रूप में हुई। वह बयान देने की हालत में नहीं था। घटनास्थल पर जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि लड़कों के दो समूह किसी पार्टी के लिए डब्ल्यू मॉल के ईगल हाउस में जमा हुए थे। पार्टी के दौरान दोनों पक्ष के लड़के नाच रहे थे। इसी दौरान एक दूसरे का पैर टकराने से दोनों समूहों के बीच कहासुनी हो गई। फिर दोनों समूह एक दूसरे से भिड़ गए।

पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया। इलाज के दौरान देर रात चंदर ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने उसकी मौत के बाद हत्या का मामला दर्ज कर लिया। जांच पड़ताल के दौरान पुलिस को घटनास्थल पर एक सीसीटीवी फुटेज मिला। जिसमें आरोपियों को नाबालिग पर चाकू से हमला करते हुए देखा गया।

जान बचाने के लिए चंदर भाग रहा था, लेकिन हमलावर उसे दौड़ा–दौड़ा कर उसपर चाकू से हमला कर रहे थे। थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर ली। पकड़े गए सभी आरोपी मंगोलपुरी स्थित स्कूल में पढ़ते हैं।

प्रॉपर्टी बेचने का दबाव बनाने पर पार्टनर ने की प्रॉपर्टी डीलर की हत्या – अलीपुर इलाके में प्रॉपर्टी बेचने का दबाव बनाने पर पार्टनर ने ही प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी। पहचान छुपाने के लिए आरोपी ने शव जलाने की कोशिश की। पुलिस ने सौ से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे की जांच करने के बाद आरोपी की पहचान की और उसे स्वरूप नगर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान जगरनाथ शाह के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने पिस्टल, एसयूवी कार और पेट्रोल की खाली बोतलें बरामद की है।

बाहरी–उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया, दो जून को अलीपुर के हिरणकी गांव के पास अर्द्धजली लाश पड़े होने की जानकारी मिली थी। जांच के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। तीन दिन बाद मृतक की शिनाख्त नत्थूपुरा निवासी संतोष कुमार उर्फ मास्टरजी (62) के रूप में हुई। अलीपुर थाना प्रभारी सलेंद्र शर्मा के नेतृत्व में पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस टीम ने सौ से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसके जरिए पता चला कि मृतक अंतिम बार अपने पार्टनर जगरनाथ शाह के साथ देखा गया था। पुलिस ने जगरनाथ को उसके स्वरूप नगर स्थित घर से गिरफ्तार कर लिया। काफी पूछताछ करने पर आरोपी ने हत्या करने की बात कबूल कर ली। उसने बताया कि संतोष कुमार स्वरूप नगर में उसकी प्रॉपर्टी को बेचने का दबाव बना रहा था। ऐसे में उसने संतोष को रास्ते से हटाने की साजिश रची।

घुमाने के बहाने ले जाकर कर दी हत्या – पूछताछ में आरोपी ने बताया कि साजिश रचने के बाद वह एक जून को संतोष कुमार के स्वरूप नगर स्थित कार्यालय पहुंचा। जहां से उसने संतोष को घुमाने के बहाने अपनी एक्सयूवी में बिठाया। वह काफी देर तक उसे घुमाता रहा और फिर रात आठ बजे बजे मुखमेलपुर–हिरणकी पुश्ता रोड पर सुनसान जगह देखकर उसने बगल की सीट पर बैठे संतोष के सिर में गोली मार दी। उसकी पहचान छिपाने के लिए उसने उसके शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी और वहां से भाग गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जगरनाथ शाह डी ब्लाक स्वरूप विहार में रहता था। वह 12वीं तक पढ़ा है और काफी समय से प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहा था।

कारोबारी की कार पर बदमाशों ने की गोलीबारी, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली (सं.)। केएन काटजू मार्ग पर बदमाशों ने कारोबारी के घर के बाहर खड़ी कार पर गोली चला दी। हांलाकि कोई हताहत नहीं हुआ है। कारोबारी की पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को आशंका है कि रंगदारी के लिए किसी गैंग के बदमाशों ने गोली चलाई है। पुलिस आस पास के सीसीटीवी कैमरे की जांच कर बदमाशों की पहचान करने में जुटी है।

रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया, सोमवार रात 9.30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि बदमाशों ने कारोबारी के घर के बाहर गोली चलाई है। पुलिस के पहुंचने पर मौके पर मौजूद महिला ने बताया कि वह अपने पति के साथ 6रू30 बजे रोहिणी के सेक्टर–15 स्थित बाजार गई थीं। वापस आने पर घर के बाहर कार खड़ी की थी। कार में गोली के निशान देखकर पुलिस को सूचना दी। जांच में पता चला कि बदमाशों ने कार के शीशे पर दो गोली चलाई थी।

पुलिस ने आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की। जिसमें बुलेट और स्कूटी पर चार बदमाशों को अपार्टमेंट में घुसते देखा। कारोबारी ने पूछताछ में किसी से कोई दुश्मनी और रंगदारी को लेकर धमकी आने से इन्कार किया है। लेकिन पुलिस अधिकारियों का मानना है कि जिस तरह से बदमाशों ने गोलीबारी की है, इससे मामला रंगदारी का लग रहा है और बदमाशों का मकसद कारोबारी को डराना था। पुलिस बदमाशों के भागने की दिशा में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच कर रही है।

प्रॉपर्टी बेचने का दबाव बनाने पर पार्टनर ने की प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

अलीपुर (सं.)। अलीपुर इलाके में प्रॉपर्टी बेचने का दबाव बनाने पर पार्टनर ने ही प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी। पहचान छुपाने के लिए आरोपी ने शव जलाने की कोशिश की। पुलिस ने सौ से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे की जांच करने के बाद आरोपी की पहचान की और उसे स्वरूप नगर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान जगरनाथ शाह के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने पिस्टल, एसयूवी कार और पेट्रोल की खाली बोतलें बरामद की है।

बाहरी–उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया, दो जून को अलीपुर के हिरणकी गांव के पास अर्द्धजली लाश पड़े होने की जानकारी मिली थी। जांच के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। तीन दिन बाद मृतक की शिनाख्त नत्थूपुरा निवासी संतोष कुमार उर्फ मास्टरजी (62) के रूप में हुई। अलीपुर थाना प्रभारी सलेंद्र शर्मा के नेतृत्व में पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस टीम ने सौ से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसके जरिए पता चला कि मृतक अंतिम बार अपने पार्टनर जगरनाथ शाह के साथ देखा गया था। पुलिस ने जगरनाथ को उसके स्वरूप नगर स्थित घर से गिरफ्तार कर लिया। काफी पूछताछ करने पर आरोपी ने हत्या करने की बात कबूल कर ली। उसने बताया कि संतोष कूमार स्वरूप नगर में उसकी प्रॉपर्टी को बेचने का दबाव बना रहा था। ऐसे में उसने संतोष को रास्ते से हटाने की साजिश रची।

घुमाने के बहाने ले जाकर कर दी हत्या – पूछताछ में आरोपी ने बताया कि साजिश रचने के बाद वह एक जून को संतोष कुमार के स्वरूप नगर स्थित कार्यालय पहुंचा। जहां से उसने संतोष को घुमाने के बहाने अपनी एक्सयूवी में बिठाया। वह काफी देर तक उसे घुमाता रहा और फिर रात आठ बजे बजे मुखमेलपुर–हिरणकी पुश्ता रोड पर सुनसान जगह देखकर उसने बगल की सीट पर बैठे संतोष के सिर में गोली मार दी। उसकी पहचान छिपाने के लिए उसने उसके शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी और वहां से भाग गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जगरनाथ शाह डी ब्लाक स्वरूप विहार में रहता था। वह 12वीं तक पढ़ा है और काफी समय से प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहा था।

झुग्गी वालों की हाय लगेगीः पूर्व सीएम आतिशी को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया, भाजपा और सीएम रेखा पर कसा तंज

नई दिल्ली (सं.)। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री को भूमिहीन कैंप पर एक प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। मद्रासी कैंप, वजीरपुर के बाद अब कालकाजी के भूमिहीन कैंप पर बुलडोजर कार्रवाई का आम आदमी पार्टी खुलकर विरोध कर रही है।

आम आदमी पार्टी ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि भाजपा सरकार और दिल्ली पुलिस कान खोलकर सुन ले, उसकी तानाशाही और बुलडोजर एक्शन के खिलाफ आम आदमी पार्टी आवाज उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेगी। हम ना तुमसे डरते हैं और न तुम्हारी पुलिस से।

भाजपा और रेखा गुप्ता को झुग्गी वालों की हाय लगेगी

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा और रेखा गुप्ता को झुग्गीवासियों का श्राप लगेगा। आतिशी ने कहा कि भाजपा कल इन झुग्गियों को ध्वस्त करने जा रही है और मुझे आज जेल भेजा जा रहा है, क्योंकि मैं इन झुग्गीवासियों के लिए आवाज उठा रही हूं। भाजपा और रेखा गुप्ता को झुग्गी वालों की हाय लगेगी। भाजपा कभी वापस नहीं आएगी।

डीडीए ने दिया था नोटिस – इससे पहले सोमवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण ने उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद दक्षिण दिल्ली के कालकाजी एक्सटेंशन में भूमिहीन कैंप के सभी निवासियों को एक आधिकारिक नोटिस जारी किया, जिसमें उन्हें अवैध झोपड़ियों के आगामी विध्वंस को देखते हुए अपने परिसर खाली करने का निर्देश दिया गया।

नोटिस के अनुसार, निवासियों को तीन दिनों के भीतर स्वेच्छा से घर खाली करने के लिए कहा गया है। नोटिस में कहा गया है कि इसका पालन न करने पर अधिकारियों द्वारा तोड़फोड़ की कार्रवाई की जाएगी। डीडीए ने आगे लिखा कि तोड़फोड़ के दौरान झोपड़ियों के अंदर छोड़ा गया कोई भी सामान हटा दिया जाएगा और एजेंसी को व्यक्तिगत संपत्ति को किसी भी तरह के नुकसान या क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।

डीडीए ने निवासियों से शांति बनाए रखने और अधिकारियों के साथ सहयोग करने की अपील की है ताकि सुचारू और व्यवस्थित प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। आप सांसद संजय सिंह ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर लोगों के घरों, दुकानों और उनकी नौकरियों पर बुलडोजर चलाने का आरोप लगाया। दक्षिण पूर्वी दिल्ली के जंगपुरा में मद्रासी कैंप में तोड़फोड़ अभियान चलाया था, क्योंकि अधिकारियों ने बारापुला नाले के साथ क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के लिए अदालती आदेश पर काम किया।

आदर्श नगर, मॉडल टाऊन
पीतमपुरा, रोहिणी, शालीमार बाग

पावन संसार अखबार को इन क्षेत्रों के लिए रिपोर्टर, मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव, अखबार वितरक (हॉकर्स), फील्ड एक्जीक्यूटिव चाहिए

सम्पर्क करें अविनाश गर्ग
9311288839

सभी अखबारों में विज्ञापन छपवाने के लिए सम्पर्क करें

Matrimonial | Property / To-let | Education
Situation Vacant | Change of Name | Lost
Business | Public Notice | बेदखल सूचना

The Hindustan Times | नवभारत टाइम्स, हिन्दुस्तान
The Times of India | दैनिक जागरण, पंजाब केसरी
Indian Express | दैनिक भास्कर, संदेश, DLA
The Hindu | आज समाज, विराट वैभव
Statesman | राज ऐक्सप्रेस, जनसत्ता
Woman's Era | अमर उजाला, राष्ट्रीय सहारा
Tribune | गृहशोभा, गृहलक्ष्मी
Femina | सरिता, राजस्थान पत्रिका

PAAVAN ADVERTISER
D-4, Office No.3 & 4, Safeway House
1st Floor, Central Market, Prashant Vihar, Rohini (Opp. PVR) Delhi-85
E-mail:- paavanad@yahoo.com

V.K. Aggarwal
9311288839,9811288839

हर सुबह एक नया मौका है, अपनी कहानी को बदलने का

गणपत गोयल
सुप्रसिद्ध समाजसेवी
पंजाबी बाग

जागरूक पाठकों के लिए

आप अपने आप–पास होने वाली घटनाओं की जानकारी, स्थानीय समस्याओं पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराना चाहते हैं, इसके लिए साप्ताहिक समाचार पत्र "पावन संसार" आपका स्वागत करता है। हमें लिख भेजें अपने विचार उन्हें आम और खास आदमी तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

सम्पादक – वीरेन्द्र कुमार
फोन : 9311288839, 9811288839
ई–मेल : paavansansar@gmail.com
पता – पावन संसार : डी–4, फर्स्ट फ्लोर, ऑफिस नं. 4, सैन्ट्रल मार्किट, प्रशान्त विहार (रोहिणी), नजदिक पीवीआर सिनेमा, दिल्ली–110085

बढ़ती गर्मी में लगी लू का कारण व निवारण

वर्तमान में बढ़ती गर्मी पूर्ण यौवन पर है। चिलचिलाती धूप व अधिक गर्मी में जहां एक कदम भी चलना कठिन है, वहां लू के थपेड़ों के शिकार होने पर कभी-कभी भयंकर स्थिति का सामना भी करना पड़ जाता है। इतना ही नहीं, लू लगने पर मृत्यु तक हो जाती है।

गर्मी में घर से निकलने से पूर्व अच्छी प्रकार पानी पीना चाहिए। पेट में पानी की कमी नहीं आने देनी चाहिए क्योंकि बिना पानी पिए घर से निकलने पर जल्दी लू लगने का अंदेशा रहता है। सिर पर कपड़ा रखकर या टोपी पहनकर निकलने से तेज धूप या लू के थपेड़ों से बचा जा सकता है। छोटे बच्चों को कदापि तेज धूप में नहीं निकलने देना चाहिए।

कुछ लोग पानी से गीला कपड़ा सिर पर रखकर धूप में चलते है जो बहुत ही हानिकारक है। ऐसा करने से 'सिरसाम' रोग होने का खतरा बना रहता है। हमेशा सूखा कपड़ा ही सिर पर रखकर और खूब पानी पी कर ही घर से निकलना चाहिए। इससे लू या गर्मी का भय कम रहता है।

लू लगना व गर्मी लगना दोनों अलग-अलग पहलू हैं। आपके देर तक धूप में रहने से 'लू' लग जाती है और किसी भी प्रकार की तेज गर्मी में अधिक देर तक रहने से गर्मी लगना कहा जाता है।

ऐसी स्थिति में शरीर का ताप अत्यन्त तेजी से बढ़ता है, जी मिचलाने लगता है, सिर में दर्द होने लगता है, चेहरा लाल होने लगता है, प्यास अधिक लगती है, सांस लेते समय रोगी हांफने लगता है और बैचेनी होने लगती है।

शरीर में लगी गर्मी या लू का त्याग शरीर आसानी से नहीं कर पाता। इसलिए प्राथमिक चिकित्सा का सहारा लेना जरूरी है ताकि शरीर की गर्मी कम हो सके। अतः लू लगे व्यक्ति (रोगों) को ठण्डे व छायादार स्थान पर आराम कराना चाहिए, उसके कपड़ों को ढीला कर देना चाहिए या उतार देना चाहिए।

जब कभी भी किसी को लू लग जाये तो रोगी को छायादार हवा में लिटाकर प्राथमिक उपचार करें। रोगी को नींबू, अदरक व पुदीने का रस देना भी लाभप्रद है। कभी-कभी इन्हीं के कारण भयंकर स्थिति से बचा जा सकता है।

– **वी.के. राघव**

गर्मी में सेहत

गर्मी के आते ही परेशानियाँ बढ़ने लगती हैं। दिन की धूप में चेहरा जलना, हाथों की चमड़ी का जलना तथा चक्कर आकर गिर जाना, ये सारी आम बातें हैं। सूरज की तपिश से जब शरीर का तापमान बढ़ने लगता है तो हमारे शरीर का आंतरिक तापमान भी परिवर्तित होने लगता है। पसीना आना उसी का परिणाम है। पसीने के आते ही हमारे शरीर के अंदर जितने भी लवण व खनिज तथा विटामिंस पाए जाते हैं, वे पसीने के साथ शरीर से रिसकर बाहर आ जाते हैं। इन्हीं की कमी के परिणाम स्वरूप चक्कर आना, आँखों के आगे धुंधलापन छाना तथा आलसपन और कमजोरी आना लाजमी है।

शरीर के तापमान को सुचारू रूप से बनाये रखने का काम करता है, पानी यानी शरीर में पाए जाने वाले आयनों से भरपूर द्रव्य। इसको यदि हमने अपने नियंत्राण में ले लिया तो हम उपरोक्त विचाराधीन बातों से आहत होने से बच सकते हैं। उसके लिए निम्नांकित उपायों का प्रयोग करें।

– शरीर को जलने से बचाने के लिए पूरी आस्तीन वाले सूती कपड़ों का ही प्रयोग करें।

– तली हुई वस्तुओं का सेवन कम करें।

– शाकाहारी भोजन को ज्यादा से ज्यादा अपने खाने में शामिल करें।

– फलों व कच्ची सब्जियों का ज्यादा इस्तेमाल करें।

– फलों में भी ऐसे फलों का सेवन ज्यादा करें जिनमें जल की मात्रा अधिक हो जैसे-तरबूज, खीरा आदि।

– पानी खूब पियें। इसके लिए कहीं भी जाने से पूर्व अपने बैग में पानी की बोतल अवश्य रख लें। प्राकृतिक पेय साधनों का ही ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें।

– धूप में शरीर को ज्यादा देर तक न तपाएं।

– भोजन थोड़ा कम ही लें तो ज्यादा बेहत्तर होगा।

स्मरण शक्ति बढ़ाने के सरल उपाय

आर.पी. चौहान
सह-संपादक

आज के मशीनी जीवन में स्मरण शक्ति का कमजोर होना एक व्यापक और गंभीर समस्या बनती जा रही है। औसत दृष्टि से अधिकांश लोगों की स्मरण शक्ति लगभग एक जैसी होती है किंतु कुछ मेधावी व्यक्तियों की स्मरण रखने की शक्ति आश्चर्यजनक भी होती है। अतः कहा जा सकता है कि स्मरण शक्ति एक अर्जित गुण है जिसका कम या तेज होना या कर लेना बहुत कुछ हमारे ऊपर निर्भर करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि स्मरण शक्ति का हमारी रूचि से गहरा संबंध है।

स्मरणशक्ति एकाग्रचित होकर पढ़ने से, याद किया हुआ दोहराने से तथा स्वस्थ रहते हुए प्रकृति के नियमों पर चलने से बढ़ती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से स्मरणशक्ति कमजोर होने के कारण शारीरिक और मस्तिष्क की कमजोरी, अति चंचलता, एकाग्रता का अभाव व खान-पान का असंयम माने जाते हैं।

मस्तिष्क की बनावट :- आकृति में मस्तिष्क शरीर का पांचवा भाग है किंतु यह सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। मस्तिष्क के भीतर जाने वाले तथा बाहर आने वाले नाड़ी तंतुओं की संख्या ही लगभग बीस करोड़ है। प्रत्येक शारीरिक व मानसिक स्पंदन का निर्गमन यहां से होता है। मानव भले ही सब कुछ खो बैठे, उसकी सद्‌बुद्धि सलामत रहनी चाहिए। फिर तो मानव शून्य में सृजन कर सकता है। प्रारंभ में पचीस वर्ष तक हम अधिकांश बातें याद रखते हैं। 25 वर्ष के बाद मात्रा काम की बातें याद रखते है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ याददाश्त कमजोर पड़ने लगती है। 40 वर्ष की आयु के पश्चात व्यक्ति में परिपक्वता आ जाती है। अच्छी स्मरण शक्ति के लिए शरीर और मन को निरोग रहना चाहिए।

स्मरण शक्ति की कमी के लक्षण :- पढ़ी, देखी, सुनी बातें याद न रहना, किसी जगह वस्तु रखकर भूल जाना, पढ़कर याद रखने की इच्छा न होना, अरूचि, आलस्य, चिड़चिड़ापन, कमजोरी निराशा का भाव, घबराहट आदि देखने को मिलते हैं।

कैसे याद रखें :- स्मरण शक्ति को प्रखर बनाने के लिए अत्यधिक अध्ययन, चिन्तन व मनन करें। मन में याद रखने योग्य बातों का चित्रा एक बात का संबंध किसी अन्य बात से बना कर रखें। याद की जाने वाली सामग्री को बार-बार दोहराना, लंबी व जटिल सामग्री का संक्षिप्तीकरण, 45 मिनट बाद प्रमुख तत्वों को पुनः दोहराना व चित्त की एकाग्रता से स्मरण शक्ति बढ़ती है।

किसी भी प्रकार का व्यसन, तनाव आदि न रखें। खाली समय आलस्य या गप्पबाजी में न बिताएं। कक्षा में जो पढ़ाया जायेगा, उसे पहले से पढ़कर जाइए। वहां ध्यान से सुनिए, टीप बनाइये। घर आकर नोटस तैयार कीजिए। जो याद किए हैं उसे लिखकर भी देखिए। मन को एकाग्र व स्थिर रखने हेतु भ्रामरी व गुंजन प्राणायाम कुछ देर कीजिए। धीमे संगीत के साथ अपना अध्ययन जारी रखिए। घर के किसी परिजन मित्रा या सहपाठी से प्रश्न करने को कहिये और आप उत्तर दीजिए। एक बार किसी पूरी पुस्तक को देख याद करना कठिन जान पड़ता होगा पर पाठ-पाठ, अध्याय-अध्याय आगे पढ़िये, याद रखते चलिए। पूरी पुस्तक याद कर लेंगे। जब भी समय मिले, पुस्तक के पन्ने पलटकर याद की गई बातों की पुनरावृत्ति कर लीजिए।

क्या खाएं :- मस्तिष्क की आवश्यकता की पूर्ति करता है भोजन ! यह स्मरण शक्ति बढ़ाने में सहायक होता है। सुपाच्य, हल्का, संतुलित, पौष्टिक आहार नियमित समय पर खाएं। पत्तीदार सब्जियां, सलाद, लहसुन, दूध, दही, दाल, पत्तागोभी, फूलगोभी, सौंफ, गुड़ आगरे का पेठा, तिल, पालक खाएं तरबूज, गाजर, चुकंदर, लौकी भी खाएं। फलों में जामुन, स्ट्राबेरी, नारियल, लीची, आम, सेब, संतरा, टमाटर आदि खाएं।

सहायक उपाय :- मानसिक श्रम करने वाले स्मरण शक्ति बनाए रखने हेतु प्रोटीन (दाल-दलहन) अधिक खाएं। भीगे बादाम को पीसकर शहद, नारंगी रस मिलाकर प्रातः पिएं। खरबूजा-तरबूज की मींगी स्मरण शक्ति बढ़ाती है। बड़ के कोमल पत्तों को छाया में सुखाकर चूर्ण बना एक गिलास पानी में उबालें और छानकर मिश्री के साथ पियें। यह स्मरण शक्ति बढ़ाती है। गाजर का सलाद व हलवे से स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है। चुकंदर मस्तिष्क को सचेत रखता है। अखरोट या बादाम किसी भी रूप में किसी के साथ खाएं। स्मरण शक्ति बढ़ाते हैं।

आंवले का मुरब्बा स्मरणशक्तिवर्धक है। गुलाब का गुलकन्द भी यही काम करता है। प्रातः काल एक या दो सेब खाकर गर्म दूध पीने या 15 मिनट बाद भोजन करने से प्राप्त फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेड आक्साइड याददाश्त बढ़ाते हैं।

अंगूर खाने से मस्तिष्क की स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है।

सौंफ व मिश्री को अलग-अलग कूट कर समान मात्राा में मिलाकर प्रतिदिन सुबह व शाम खाना खाने के बाद एक एक चम्मच लेने से बुद्धि बढ़ती है। लौकी की सब्जी एवं लौकी का तेल सिर में लगाने से स्मरण शक्ति को बढ़ती है। भीगे उड़द को पीसकर, दूध शक्कर मिलाकर लेने से मस्तिष्क की क्षमता बढ़ती है। धनिया चूर्ण को उबाल कर काढ़ा बनाकर मिश्री के साथ प्रतिदिन एक चम्मच लेने से स्मरण शक्ति बढ़ती है।

क्या न खाएं :- कड़क चाय व नशे से दूर रहें। तम्बाकू, गुटखा भी न खाएं।

सहायक उपाय क्या करें :- प्रतिदिन प्रातः खुली हवा में घूमने जाएं। रूचिकर व्यायाम नियमित करें। बातों व पाठ को एकाग्रता व मनोयोग से याद करें। भरपूर निद्रा लें। खान-पान, व्यायाम-आराम में संयम हो। बीच-बीच में मनोरंजन भी करते रहें। दिन में अधिक न सोएं। देर रात तक न जागें।

सूर्योदय से दो घण्टा पूर्व उठाकर याद करें। तनाव, क्रोध, चिंता से दूर रहे। अपनी स्मरण शक्ति को लेकर परेशान न रहें। समय को अपने अनुसार उपयोग कीजिए। लाभ अवश्य मिलेगा।

नोट– पावन संसार में स्वास्थ्य संबंधी बताए गये तरीकों को अपनाने से पहले किसी योग्य चिकित्सक/वैद्य की सलाह अवश्य लें। इनको उपयोग में लाने से किसी भी प्रकार की क्षति के लिए पावन संसार जिम्मेदार नहीं होगा।
संपादक

कभी AI के क्षेत्र में भारत की तैयारियों को कहा था होपलेस, अब भारत से ही फंडिंग चाह रहे सैम ऑल्टमैन

नई दिल्ली (सं.)। कभी एआई के क्षेत्र में भारत की तैयारियों को होपलेस कहने वाले चैटजीपीटी के निर्माता ओपनएआई के संस्थापक सैम ऑल्टमैन अब भारत से ही फंडिंग जुटाने की जुगत में लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। द इंफॉर्मेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई ने सऊदी अरब के पीआईएफ, भारत के रिलायंस इंडस्ट्रीज और मौजूदा शेयरधारक संयुक्त अरब अमीरात के एमजीएक्स से अपने 40 अरब डॉलर के वित्तपोषण के बारे में बात की है।

रिपोर्ट में मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से दावा किया गया है कि ये निवेशक कम से कम सैकड़ों मिलियन डॉलर का निवेश कर सकते हैं। ओपनएआई अपने मॉडल के विकास व महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा योजना स्टारगेट को बढ़ावा देने के लिए और अधिक धन जुटाने की कोशिश कर रहा है, जिसका वित्तपोषण सॉफ्टबैंक की ओर से किया जाना है।

इस साल की शुरुआत में, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने भारत के आईटी मंत्री से मुलाकात की और कम लागत वाली एआई इकोसिस्टम बनाने की भारत की योजना पर चर्चा की। इसके बाद बाद ऑल्टमैन ने अबू धाबी निवेश समूह एमजीएक्स के साथ धन जुटाने पर चर्चा करने के लिए यूएई जाने की भी योजना बनाई।

खबरों के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट समर्थित स्टार्टअप ने फंड जुटाने की कवायदों के तहत कोट्यू और फाउंडर्स फंड से कम से कम 100 मिलियन डॉलर जुटाने पर भी चर्चा की है। द इंफॉर्मेशन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि कंपनी को 2027 में अतिरिक्त 17 बिलियन डॉलर जुटा लेने की भी उम्मीद है।

हालांकि इन दावों की आधिकारिक तौर पर किसी पक्ष ने पुष्टि नहीं कही है। ओपनएआई, पीआईएफ, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एमजीएक्स और सॉफ्टबैंक की ओर से अब तक इन खबरों पर कोई भी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

खाद्य तेल हुआ सस्ताः सरकार ने घटाया आयात शुल्क, कंपनियों को एमआरपी कम करने के मिले निर्देश

नई दिल्ली (सं.)। खाद्य तेलों के मूल सीमा शुल्क यानी बीसीडी में 50 फीसदी की कटौती की गई है। कच्चे सूरजमुखी, सोयाबीन और पाम ऑयल पर शुल्क को 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी कर दिया गया है। इस फैसले के चलते कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच आयात शुल्क में अंतर 8.75% से 19.25% हो गया है। सरकार ने आदेश किया है कि जितना जल्द हो सके, कंपनियां इसका फायदा ग्राहकों को दें।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में प्रमुख खाद्य तेल उद्योग संघों और उद्योग हितधारकों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उन्हें शुल्क कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। विभाग ने बयान में कहा, वितरकों के लिए मूल्य और अधिकतम खुदरा मूल्य दोनों को समायोजित किया जाए।

खाद्य विभाग ने तेल एसोसिएशनों को दी सलाह – विभाग ने तेल एसोसिएशनों से कहा, वे तत्काल मूल्य कटौती लागू करने की सलाह दें। साथ ही, ब्रांडवार अपडेट एमआरपी शीट साप्ताहिक आधार पर विभाग के साथ साझा करें। मंत्रालय ने खाद्य तेल उद्योग के साथ एमआरपी की रिपोर्टिंग के लिए एक प्रारूप साझा किया है। इसमें जोर दिया कि आपूर्ति शृंखला के जरिये समय पर लाभ पहुंचाना आवश्यक है, ताकि उपभोक्ताओं को खुदरा कीमतों में भी इसी तरह की कमी हो सके।

31 मई को हुई थी कटौती – सरकार ने 31 मई को पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क में 50 फीसदी की कटौती कर इसे 20 से 10 फीसदी पर ला दिया था। अधिकारियों ने कहा, 19.25 प्रतिशत शुल्क का अंतर घरेलू रिफाइनिंग क्षमता उपयोग को प्रोत्साहित करने और रिफाइंड तेलों के आयात को कम करने में मदद करेगा।

एक साल में 25% तक बढ़े दाम – खाना पकाने वाले तेलों की कीमतें एक साल में 25 फीसदी से तक बढ़ी हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, वनस्पति तेल का भाव बुधवार को 155 रुपये लीटर था, जो एक साल पहले 126 रुपये था। इसी तरह सोया तेल की कीमत 123 से बढ़कर 147 रुपये, सूरजमुखी तेल का दाम 123 से बढ़कर 160 रुपये लीटर, पाम तेल का भाव 100 से बढ़कर 132 रुपये और सरसों तेल की कीमत 138 से बढ़कर 172 रुपये पर पहुंच गई। हालांकि, कुछ शहरों में इनकी कीमतें इससे भी ज्यादा हैं। हालांकि, हाल के महीनों में इनमें 17 फीसदी तक तेजी आई थी।

सख्तीः सेवा शुल्क वसूलने से बाज नहीं आ रहे रेस्तरां-होटल, 18 को नोटिस (CCPA का आदेश- ग्राहकों को जल्द वापस करें

नई दिल्ली (सं.)। देश भर के रेस्तरां और होटल ग्राहकों से सेवा शुल्क वसूलने से बाज नहीं आ रहे हैं। इस पर खुद संज्ञान लेते हुए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने अलग-अलग राज्यों के 18 रेस्तरां को नोटिस जारी कर दिया है। इनको सेवा शुल्क के नाम पर वसूली गई रकम ग्राहकों को वापस लौटाने का आदेश दिया है।

उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने बताया, राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर 18 रेस्तरां के विरुद्ध सेवा शुल्क की अनिवार्य वसूली और सेवा शुल्क राशि वापस न करने के संबंध में ग्राहकों से शिकायतें मिल रहीं थीं। इसके बाद इसकी जांच की गई और सभी रेस्तरां को इस मामले में कोर्ट के पहले के आदेश का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

खरे ने कहा, सीसीपीए सेवा शुल्क पर जारी दिशा निर्देशों और दिल्ली हाईकोर्ट के निर्णय के उल्लंघन पर कड़ी नजर रख रहा है। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर 28 मार्च, 2025 से 10 जून, 2025 तक कुल 336 शिकायतें दर्ज की गई थीं। इन शिकायतों में ग्राहकों ने आरोप लगाया था कि कुछ रेस्तरां उनकी पूर्व सहमति प्राप्त किए बिना अनिवार्य सेवा शुल्क की वसूली कर रहे हैं। इन शिकायतों की जांच करने के बाद सीसीपीए ने 18 रेस्तरां को नोटिस जारी किए हैं।

रेस्तरां को पक्ष रखने के लिए मिलता है मौका – खरे ने कहा, सीसीपीए की कार्रवाई देश भर के होटलों और रेस्तराओं पर हो रही है। इसमें महानिदेशक (जांच) की ओर से मामले की जांच की जाती है। जो भी संबंधित पार्टी है, उसे सुनवाई का पूरा अवसर मिलता है। अगर इसके जवाब से हम संतुष्ट नहीं होते हैं तो फिर अंतिम आदेश पारित कर उस पर कार्रवाई की जाती है।

किसी भी रूप में ग्राहकों से नहीं वसूल सकते सेवा शुल्क – सीसीपीए ने 4 जुलाई, 2022 को होटलों और रेस्तराओं में सेवा शुल्क के संबंध में अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगाने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे। इसके अनुसार, कोई भी होटल या रेस्तरां भोजन बिल में स्वचालित रूप से सेवा शुल्क नहीं जोड़ेगा। किसी अन्य नाम से सेवा शुल्क नहीं लिया जाएगा। ग्राहकों को सेवा शुल्क का भुगतान करने के लिए मजबूर नहीं करेगा और उपभोक्ता को स्पष्ट रूप से बताएगा कि सेवा शुल्क स्वैच्छिक और वैकल्पिक है। सेवा शुल्क को खाद्य बिल के साथ जोड़कर और कुल राशि पर जीएसटी लगाकर एकत्र नहीं किया जाएगा।

पावन संसार — सम्मानित सदस्य

घनश्याम गुप्ता प्रधान – श्री खाटू श्याम विशाल मंदिर दिल्ली धाम	**भीम बिंदल** M.D. Margo Pipes Pvt. Ltd.	**शीतल प्रसाद जैन** ट्रस्टी–अग्रसेन भवन, सैक्टर–5, रोहिणी	**राकेश कुमार गुप्ता (बन्धु)** प्रधान–राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ (रजि.), दिल्ली प्रदेश	**राय चंद गोयल** Shri Karan Garg Textile Pvt. Ltd. Barhi Indl. Area	**राजीव लोहिया** ट्रस्टी–महाराजा अग्रसैन हॉस्पीटल, पंजाबी बाग	**प्रदीप कुमार सिंगला** MD : Singla Logistics Pvt. Ltd. सैक्टर–15, रोहिणी	**लाजपत राय बंसल** वरिष्ठ उपप्रधान – श्री अग्रसैन इंटरनेशनल हॉस्पीटल, रोहिणी	**हरभजन अग्रवाल** चेयरमैन–AGC Infrastructure, Sec-3, Rohini	**बृज भूषण गुप्ता** प्रधान – बालाजी निरोगधाम पल्ला बख्तावरपुर रोड, दिल्ली–36	**ज्ञान अग्रवाल** (प्रसिद्ध समाजसेवी) M.D - Rajdeep Agri Products P. Ltd

प्रवीण गुप्ता फाउंडर ट्रस्टी–श्री खाटू श्याम विशाल मंदिर दिल्ली धाम	**मुकेश कुमार गोयल** Director - Neelkanth Adhesive International मंगोलपुरी, दिल्ली	**आर.एस. गोस्वामी** (एडवोकेट) मैम्बर व एक्स चेयरमैन, Bar Council of Delhi	**सीमा कौशिक** वाईस प्रेजीडेंट–समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट	**राज कुमार मित्तल** संरक्षक–श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पीटल, रोहिणी Cord Flex Industries	**प्रथम गोयल** Babu Ram Pratham Kumar & Sons Naya Bazar	**धैर्य गोयल** Babu Ram Pratham Kumar & Sons Naya Bazar	**विनोद गुप्ता** (मिटल वाले) प्रधान, सनातन धर्म महासभा, सी. पी. ब्लोक, पीतमपुरा	**टेक चंद बंसल** M.D - Karan Plastic Narela	**विनय सिंघल** M.D - Ishika Polyfab Pvt. Ltd Sonipat, Haryana	**पुष्पेन्द्र मित्तल** चेयरमैन – अग्रवाल निष्काम सेवा समिति

टी. आर. मित्तल चेयरमैन अग्रवाल फाउण्डेशन	**राम अवतार वर्मा** भूतपूर्व अध्यक्ष–दि बुलियन एण्ड ज्वैलर्स एसोसिएशन (रजि.) कूचा महाजनी, चाँदनी चौक	**मुकेश जैन** Director: Emsons Products Pvt. Ltd.	**विजय कुमार जैन** भूतपूर्व प्रधान – श्री एस.एस. जैन सभा, पीतमपुरा	**विपिन गर्ग** Rohini Suzuki रोहिणी सैक्टर 3	**सत कुमार गर्ग** पूर्व प्रधान – आर.डब्लू.ए डी–ब्लॉक, प्रशांत विहार	**संजय जैन** प्रमुख समाजसेवी	**कुलभूषण गक्खड़** प्रधान–पंजाबी वेलफेयर एंड कल्चर सोसायटी, सैक्टर–24, रोहिणी	**के. के. गर्ग** प्रधान–डी–ब्लॉक, सैंट्रल मार्किट, प्रशांत विहार	**राम कुमार गुप्ता** M.D - Shri Ram Group Rajouri Garden	**प्रहलाद राय कंसल** ट्रस्टी–श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पीटल, रोहिणी

मुकेश गोयल प्रधान – लायन्स ब्लड बैंक	**मोहन लाल यादव** अध्यक्ष (आर.डब्लू.ए.) ए.बी.सी. – ब्लॉक	**जय वीर सिंह** Yash Tent Prashant Vihar	**मदन अग्रवाल** मदन प्रोपटीज (रजि.)	**शारदा गोयल** समाजसेविका	**प्रकाश चंद मित्तल** Mittal & Mittal Associates Prashant Vihar	**दिनेश कुमार राणा** Director - Shri Ram Shiksha Mandir Sr. Sec. School Jindpur, Delhi-36	**प्रवीन गुप्ता** ट्रस्टी – श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पीटल, रोहिणी	**सतपाल गर्ग उचाना** प्रमुख समाजसेवी Pawan Bikes (Regs.)	**दिनेश कुमार गुप्ता** ट्रस्टी – श्री खाटू श्याम दिल्ली धाम	**सुनील गुप्ता** President Intl. Yoga Therapy Charitable Trust, Pitampura, Delhi

मीनू बंसल Bon Ascent Play School सी–ब्लॉक, प्रशांत विहार	**सरोज बंसल** Chairperson Abhinav Global School, Sec-13, Dwarka	**राजेश अग्रवाल,** चेयरमैन कस्तुरी राम कॉलेज, नरेला	**नवीन गोस्वामी** Director - St. Margaret Sr. Sec. School, Prashant Vihar	**डा. कमला कौशिक** एसोसिएट प्रोफेसर, सत्यवती कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) अशोक विहार	**एस.सी. मंगला** फाउंडर मैम्बर महाराजा अग्रसैन मॉडल स्कूल, सी.डी.–ब्लॉक, पीतमपुरा	**सत्य भूषण जैन** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन	**अरूण कुमार जैन** (प्रसिद्ध समाजसेवी) (जैन प्रोपटीज, पीतमपुरा)	**आर.डी. बंसल** M.D - Lalit Plastic Industries Shalimar Village, Delhi	**मामचन्द जैन** पूर्व कोषाध्यक्ष जिला केशवपुरम, भाजपा	**मोहित गुप्ता** सीए पश्चिम विहार, दिल्ली

सुखबीर सिंह दहिया रिटायर्ड असिस्टेंट डायरेक्टर (DDA)	**जय किशन गुप्ता** Director - City Paint Co. Anand Parvat, Indl. Area, Delhi-05	**शिव नारायण वार्ष्णेय** संरक्षक–श्री वैश्य वार्ष्णेय कृष्ण जन्माष्टमी समारोह सभा (पंजी.)	**नरेश सिंघल** वास्तु विशेषज्ञ	**सतीश गुप्ता** M.D - Krishna Realtors Sec-24, Rohini	**रमेश अग्रवाल** Sidhi Vinayak Steel Kamdhenu & Surbhi Electronics	**हरि ओम गर्ग** एडवोकेट– गुरुद्वारा रोड, करोल बाग, दिल्ली	**ज्योति राम सिंघल** प्रधान – शिव कावड़ सेवा ट्रस्ट (रजि.), गंगोत्री	**संजय गुप्ता** अध्यक्ष – मानव कल्याण सेवा समिति (रजि.) दिल्ली	**विनोद गर्ग** ट्रस्टी – अग्रवाल भवन, प्रशांत विहार	**आनंद पाल जैन** M.D Shambu Dayal Jain & Co. Old Anaj Mandi, Narela

पवन गोयल M.D - JRG Holdings (P) Ltd. Moti Nagar	**धर्मपाल गोयल** प्रधान–अग्रवाल बख्तावरपुर पल्ला माजरा मैत्री संघ (रजि.)	**अशोक गोयल** कंट्रोल बोर्ड मैम्बर – श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पीटल, रोहिणी	**दिवस गुप्ता** एमडी–श्री गणपति स्टील वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया	**कृष्ण गर्ग** Director - R.K.G. Timber (P) Ltd., Nangloi	**डा. रविन्द्र नाथ गोयल** M.D Chemline - Adhesives & Coatings, Prashant Vihar	**संजय शर्मा** (President, Aashsaass Foundation/ Shiv Mandir Prashant Vihar)	**राजेश गुप्ता** ट्रस्टी – महाराजा अग्रसैन स्कूल, पीतमपुरा	**एडवोकेट तनुज गुप्ता** संस्थापक–हर एक का सहारा मित्र मंडल, कन्हैया नगर	**प्रकाश मित्तल** अध्यक्ष – दिल्ली एकता क्लब (रजि.)	**कृष्ण लाल जिन्दल** ट्रस्टी– श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पीटल, रोहिणी

नीरज सिंघल M.D - Nirmal Architecture Pvt. Ltd. D-Block, Prashant Vihar	**अरूण कुमार जैन** Chartered Accountant के.पी.ब्लॉक, पीतमपुरा, दिल्ली	**रमेश कुमार अग्रवाल** चैयरमेन – A- Block RWA प्रशांत विहार	**कैलाश मितल** उपाध्यक्ष–अग्रवाल सभा, प्रशांत विहार	**राजेन्द्र गुप्ता** Raymond Sector-7, Rohini	**हनुमान मित्तल** ट्रस्टी – श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पीटल, रोहिणी	**राम निवास गुप्ता** (Bar Dana Wala) Model Town-1	**यूसुफ भारद्वाज** प्रसिद्ध हास्य कवि	**Gaurav Varshneya** Associated with Shree Varshneya Samaj Kalyan Trust	**आर.पी. चौपड़ा** Chopra Pipe Fitting Store बावड़ी बाजार, दिल्ली–06	**दीपक बंसल** Wolga Properties, Pitampura

संजय अग्रवाल Jindal Trading Co.	**गोपाल बंसल** उपप्रधान–जन कल्याण हैल्थ केयर सेन्टर, करोलबाग, दिल्ली	**बिशन स्वरूप गर्ग** भूतपूर्व प्रधान – श्रीराम मंदिर, डी–ब्लॉक, प्रशांत विहार	**अनिल बंसल** कोषाध्यक्ष श्रीश्याम मस्तमंडल (रजि.) रोहिणी	**अर्जुन लाल गुप्ता** प्रमुख समाजसेवी Prop. Bindal Trading Co., Narela	**डॉ. एस. के. सिंह** (गोल्ड मैडलिस्ट) एम.एस. (आयुर्वेद)	**ओम प्रकाश** Om Confectionery	**गुरचरण दास मेंहदीरत्ता** Gurcharan Exports (P) Ltd नरेला, दिल्ली–40	**अनंत राम अग्रवाल** MD - Kushal Timber Pvt. Ltd.	**सुरेश चंद गोयल** General Secretary लघु उद्योग भारती, नरेला प्रान्त	**सत्यवान तेजवानी** प्रसिद्ध समाजसेवी

पावन संसार परिवार की ओर से
श्रीमती अंजू गोयल एवं श्री राकेश कुमार गोयल
C-11/163, Sec-3, Rohini, Delhi-110085

को शादी की सालगिरह
15 जून
की हार्दिक शुभकामनाएं

पावन संसार परिवार की ओर से

Smt. Saroj Bansal
Grugramme
को जन्मदिन
16 जून
की हार्दिक शुभकामनाएं

अंजनी महल
मेहंदीपुर बालाजी राजस्थान में ठहरने का उत्तम स्थान
अंजनी माता मन्दिर के सामने, घाटा मेहन्दीपुर बालाजी, राजस्थान
फोन नं. 01420–247850, 294862, 992956750
Em: info.anjanimahal@gmail.com Web.: anjanimahals.com
सुविधायें: शुद्ध शाकाहारी भोजन, 40 वातानुकूलित कमरे, LED TV, Wi-fi, 24 घंटे बिजली पानी, पार्किंग, भंडारा, कथा, किर्तन, सवामनी की सुविधा
श्री बालाजी सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित
रजि. ऑफिसः ए–53, प्रशांत विहार, नई दिल्ली–110085, फोनः 011–27553681, 9711200965

पीएम ने की दिल्ली की सीएम और भाजपा नेताओं के साथ बैठक, कहा– समस्याओं का समाधान प्राथमिकता में रखें

नई दिल्ली (सं.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली भाजपा के सांसदों, विधायकों, मंत्रियों और पार्टी पदाधिकारियों संग महत्वपूर्ण बैठक की। यह बैठक करीब तीन घंटे तक चली। इसमे पीएम ने निर्देश दिए कि दिल्ली में विकास कार्यों में तेजी लाई जाए और आमजन की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि बैठक में दिल्ली के नागरिकों की भलाई के लिए विभिन्न योजनाओं और कदमों पर विस्तार से बातचीत हुई।

उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों से जनता के बीच अधिक समय बिताने के निर्देश दिए। पीएम ने विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि केंद्र और दिल्ली की भाजपा सरकारें एकजुट होकर कार्य करें ताकि लोगों को योजनाओं का सीधा लाभ मिले।

प्रधानमंत्री की यह पहल ऐसे समय में हुई है जब केंद्र सरकार दिल्ली के बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं को लेकर कई योजनाओं पर काम कर रही है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने सभी के साथ चार ग्रुप में फोटो कराया।

बैठक में भाजपा के संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उनके सभी मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद बांसुरी स्वराज, सांसद कमलजीत सहरावत, प्रदेश भाजपा की सह प्रभारी अलका गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित उनकी टीम के वरिष्ठ पदाधिकारी, महापौर राजा इकबाल सिंह, उपमहापौर जय भगवान यादव और एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

'मोदी मतलब काम पूरा होने की गारंटी' – केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर बुधवार को केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा समेत तीन सांसदों ने अलग–अलग जगह प्रेस वार्ता कर सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। तीनों ने एक सुर में कहा कि मोदी मतलब काम पूरा होने की गारंटी। बीते 11 साल देश के विकास, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए ऐतिहासिक साबित हुए हैं।

उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार का यह अमृतकाल गरीबों और किसानों के लिए समर्पित रहा। उन्होंने मुफ्त राशन योजना, आयुष्मान भारत, पीएम किसान सम्मान निधि, और मुद्रा लोन जैसी योजनाओं का जिक्र किया। चांदनी चौक से सांसद व व्यापारी नेता प्रवीन खंडेलवाल ने इसे आर्थिक सुधारों और व्यापार सशक्तिकरण का स्वर्णिम युग बताते हुए कहा कि पहली बार छोटे व्यापारियों को नीति निर्माण का केंद्र बनाया गया है।

मंत्री हर्ष ने बताया कि मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत ने 11वीं से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का सफर तय किया है। उन्होंने कहा कि महंगाई दर 9.5 प्रतिशत से घटकर 3.16 प्रतिशत पर आ गई है। डिफेंस बजट में तीन गुना वृद्धि हुई है और भारत रक्षा निर्यातक देशों में अग्रणी बना है। डिजिटल इंडिया, आधार, यूपीआई और डिजिलॉकर जैसे प्लेटफॉर्म को भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की मिसाल बताया।

युवक की गला रेतकर हत्या, नग्न हालत में मिला शव, पुलिस को रंजिश में अपराध का संदेह

नई दिल्ली (सं.)। स्वरूप नगर इलाके में बुधवार को युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। नग्न अवस्था में युवक का शव नंगली के गायत्री गोशाला के सामने मिला। उसके शरीर के अन्य हिस्से पर भी चोट के निशान हैं। अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया, युवक की गर्दन को धारदार हथियार से रेता गया था। साथ ही उसके सिर, हाथ, गर्दन और पीठ पर चोट के निशान थे।

क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। टीम ने वहां से कई साक्ष्य हासिल किए। शुरुआती जांच में पता चला है कि युवक की कहीं अन्य जगह पर हत्या करने के बाद शव को वहां ठिकाने लगाया गया है।

पुलिस को आशंका है कि रंजिश की वजह से उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने बताया, मृतक के पास से कोई दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे उसकी पहचान की जा सके। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

फिल्मी तड़का

जाते–जाते अरबों की संपत्ति छोड़ गए संजय कपूर, जानें करिश्मा कपूर के Ex हसबैंड की कितनी थी नेट वर्थ

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड और बिजनेसमैन संजय कपूर का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 12 जून को इंग्लैंड में उन्होंने 53 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। उनके निधन से पूरा परिवार सदमे में है। संजय जाते–जाते अपने पीछे अकूत संपत्ति छोड़ गए। आइए जानते हैं कि आखिर उनकी कुल नेटवर्थ कितनी थी।

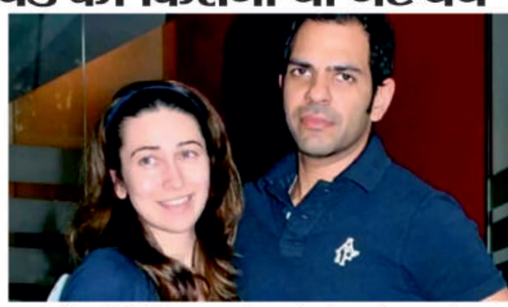

संजय की असामयिक मौत ने इंडस्ट्री और उनके परिवार और दोस्तों को झकझोर कर रख दिया है। बताया जा रहा है कि उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है संजय इंग्लैंड में पोलो खेल रहे थे, तभी अचानक उनको बेचैनी महसूस हुई, तो वह मैदान से बाहर चले गए और फिर उन्हें दिल का दौरा पड़ा। संजय कपूर होटल व्यवसायी जैसल सिंह की कप्तानी वाली टीम सुजान के खिलाफ खेल रहे थे।

संजय कपूर की कितनी थी नेट वर्थ – दिल्ली के रहने वाले संजय कपूर ने बकिंघम यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में डिग्री हासिल की थी। संजय कपूर एक प्रमुख व्यवसायी और सोना कॉमस्टार के अध्यक्ष थे, जो एक मोबिलिटी टेक्नोलॉजी कंपनी है। यह कंपनी इंजीनियर्ड ऑटोमोटिव कंपोनेंट में विशेषज्ञता रखती है। इसके अलावा, वह एक प्रसिद्ध पोलो खिलाड़ी भी थे।

फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, संजय कपूर की कुल संपत्ति 1.1 से 1.18 बिलियन डॉलर यानी करीब 9200 करोड़ रुपये थी। बॉलीवुड लाइफ के अनुसार, दिल्ली, मुंबई और लंदन में उनकी कई सारी संपत्तियां हैं और उनके पास कई सुपर और लग्जरी कारें भी हैं। वे दुनिया के 2703वें सबसे धनी व्यक्ति थे। कुछ महीने पहले तक उनकी सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी का मूल्य 40,000 करोड़ रुपये था।

शादी के इतने सालों बाद करिश्मा और संजय का हो गया था तलाक – संजय कपूर बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा कपूर की के पूर्व पति थे। करिश्मा से पहले उन्होंने फैशन डिजाइनर नंदिता महतानी से शादी की थी। लेकिन दोनों का तलाक हो गया, जिसके बाद 2003 में संजय और करिश्मा ने शादी रचाई थी। हालांकि, 2016 में संजय और करिश्मा ने एक दूसरे को तलाक दे दिया। करिश्मा और संजय दो बच्चे भी हैं। एक नाम समायरा और दूसरे का नाम किआन हैं। तलाक के बाद दोनों बच्चे एक्ट्रेस के साथ ही रहते हैं।

ग्रेनोः अब लिफ्ट पंजीकरण में 5000 की जगह देनी होगी 15000 की फीस, जानें क्या हैं नियम और कितना लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली (सं.)। गौतमबुद्ध नगर जिलाधिकारी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में नोएडा व ग्रेनो की आरडब्ल्यूए और एओए के साथ बैठक की। बैठक में डीएम ने कहा है कि लिफ्ट का पंजीकरण कराना जरुरी थी, लेकिन बड़ी संख्या में पंजीकरण नहीं कराए गए। अब तीन गुना धनराशि के साथ पंजीकरण करना होगा। अगर पंजीकरण नहीं कराया तो फिर लिफ्ट का संचालन बंद करने की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश सरकार ने पिछले साल लिफ्ट एक्ट लागू कर दिया था। इसके तहत सभी लिफ्ट का पंजीकरण जरुरी है। 31 मार्च तक लिफ्ट का पंजीकरण कराने का मौका दिया गया था, लेकिन दो माह पहले पूरा हो चुका है। इसके बाद भी अब तक केवल 7702 लिफ्ट का पंजीकरण हुआ है। जबकि नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 80 हजार से अधिक लिफ्ट हैं। समय पूरा होने के बाद विलंब शुल्क के साथ लिफ्ट का पंजीकरण कराना था। पहले सात दिन में 100 रुपये प्रतिदिन, फिर सात से 15 दिन में 200 रुपये प्रतिदिन, 15 से 30 दिन में 500 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से पंजीकरण कराना था, लेकिन यह समय भी पूरा हो गया है। 30 दिन के बाद 10,000 रुपये विलंब शुल्क देना होगा।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि एक लिफ्ट की पंजीकरण धनराशि पांच हजार रुपये है। अब 10 हजार रुपये के विलंब शुल्क के साथ पंजीकरण करना होगा। अब पंजीकरण नहीं कराने वालों पर कार्रवाई भी की जाएगी। जुर्माना धनराशि का नोटिस जारी किया जाएगा। इसके बाद भी अगर पंजीकरण नहीं कराया गया तो फिर लिफ्ट का संचालन बंद किया जाएगा। पंजीकरण होने के बाद ही संचालन शुरू किया जाएगा। सभी एओए व आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों से कहा है कि समय से लिफ्ट का रखरखाव कराना होगा।

बच्चे और ड्रैगन की अनोखी दोस्ती, फिल्म को फैंस ने दिए मिले–जुले रिएक्शन्स

13 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'हाउ टू ट्रेन योर ड्रैगन' ने दर्शकों के बीच जबरदस्त हलचल मचा दी है। ये फिल्म 2010 में आई एनिमेटेड क्लासिक का लाइव–एक्शन रूप है और इसे डायरेक्टर डीन डेब्लॉइस ने निर्देशित किया है। मुख्य किरदारों में मेसन थेम्स, नीको पार्कर और जेरार्ड बटलर नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी विकिंग लड़के हिकअप और उसके ड्रैगन टूथलेस की गहरी दोस्ती के इर्द–गिर्द घूमती है, जो दर्शकों को एक बार फिर जादुई सफर पर ले जाती है।

ये फिल्म क्रेसिडा कोवेल की किताबों पर आधारित 'हाउ टू ट्रेन योर ड्रैगन' फ्रेंचाइज का चौथा चौप्टर है। इससे पहले तीन एनिमेटेड फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। लेकिन इस बार की खासियत ये है कि ये कहानी अब रियल लोकेशन्स और असली कलाकारों के साथ पर्दे पर उतरी है। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी, विजुअल इफेक्ट्स और ड्रैगन के साथ इंसानी इमोशंस का संतुलन कई दर्शकों को भा गया है। हालांकि, सबकी राय एक जैसी नहीं है।

फिल्म को लेकर लोगों के रिएक्शन्स – फिल्म की रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दर्शकों ने अपने रिव्यू शेयर किए। कुछ यूजर्स ने इसे अब तक की सबसे बेहतरीन लाइव–एक्शन फिल्म करार दिया, तो कुछ ने कहा कि ये फिल्म भावनाओं से भरपूर और खूबसूरती से बनाई गई है। एक यूजर ने लिखा, 'लाइव–एक्शन वर्जन ने दिल जीत लिया, A+ परफॉर्मेंस रही!' वहीं कुछ दर्शकों ने फिल्म की तुलना ओरिजिनल एनिमेटेड वर्जन से की और कहा कि ये उतनी असरदार नहीं लगी। एक व्यक्ति ने लिखा, 'लाइव एक्शन ठीक–ठाक था, लेकिन मुझे ओरिजिनल अभी भी ज्यादा पसंद है।

फिल्म की स्टारकास्ट – फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो मेसन थेम्स को हिकअप के किरदार में खासा पसंद किया जा रहा है। इससे पहले वो 'मॉस्टर समर' फिल्म में नजर आए थे, जिसमें मेल गिब्सन भी थे। अब वो जल्द ही हॉरर फिल्म 'ब्लैक फोन 2' में दिखाई देंगे।

डीन डेब्लॉइस के निर्देशन में बनी यह फिल्म यूनिवर्सल पिक्चर्स द्वारा रिलीज की गई है और इसे प्रोड्यूस किया है डेब्लॉइस, एडम सीगल और मार्क प्लैट ने। हालांकि फिल्म को लेकर लोगों की राय बंटी हुई है, लेकिन ये साफ है कि ड्रैगन और इंसान की दोस्ती की कहानी अब भी दर्शकों को आकर्षित करने में कामयाब रही है।

वनतारा जैसा होगा दिल्ली का चिड़ियाघरः जानवरों को मिलेगी जंगल जैसी आजादी, वर्ल्ड क्लास सुविधा... ये है प्लान

नई दिल्ली (सं.)। चिड़ियाघर को जल्द निजी हाथों में सौंपा जा सकता है। गुजरात के जामनगर स्थित वनतारा की तर्ज पर इसे नए रूप में विकसित करने की योजना पर काम चल रहा है।

चिड़ियाघर में मिलेगी विश्व स्तरीय सुविधाएं – पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के बीच इसे लेकर बैठकें चल रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, देश की एक नामी कंपनी इसे अपने हाथों में ले सकती है। इसके लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। यहां वन्यजीवों को आधुनिक तरीके से रखा जाएगा। साथ ही, विश्व स्तरीय सुविधाएं मिलेंगी।

रेस्क्यू कर होगा बेजुबानों का इलाज – इसमें एयर कंडीशंड मेडिकल यूनिट्स और मॉडर्न रिहैब केंद्र और जानवरों को जंगल जैसी आजादी दी जाएगी। खास बात ये है कि लुप्त होने के कगार पर पहुंच चुके बेजुबानों का रेस्क्यू कर इलाज भी किया जाएगा। प्रबंधन से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विशेषज्ञों से चिड़ियाघर का डिजाइन तैयार करवाया जा रहा है। सबसे पहले वन्यजीवों को जंगल के समान ही वातावरण देना, उनकी देखभाल करना, पर्यटकों को आकर्षित करना जैसी अनेक चीजों को ध्यान में रखकर कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

क्या है वनतारा – वनतारा एक वन्यजीव संरक्षण परियोजना है, जिसकी स्थापना अनंत अंबानी ने की है। यह रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन की ओर से समर्थित है। गुजरात में जामनगर रिफाइनरी कांप्लेक्स के भीतर स्थित वनतारा 3000 एकड़ में फैला है। यह घायल, संकटग्रस्त और लुप्तप्राय जीवों का आश्रय स्थल है।

लेखकों से प्रार्थना

अपनी छोटी–छोटी रचनाएं **पावन संसार** में प्रकाशनार्थ भेजें। रचनाएं घर–परिवार एवं समाज की समस्याओं से संबंधित, धार्मिक, नैतिक, सहयोग, प्यार, सम्मान, आदि पर आधारित होनी चाहिए। बच्चों के लिए छोटी–छोटी रचनाएं हम सहर्ष प्रकाशित करेंगे। लेखक अपना नाम व मोबाईल अवश्य लिखें।

संपादक

RNI No. DELHIN/2011/40220, Postal No. G-3/DL(N)/267/2024-26, Date of Publication:- 12-06-2025

एनडीएमसी ने स्वच्छता, ऊर्जा, जल प्रबंधन और कर्मचारियों से जुड़ी योजनाओं को मंजूरी दी

नई दिल्ली (सं.)। कुलजीत सिंह चहल ने बैठक के बाद बताया कि 25 वर्षों के लिए 120 मेगावाट फर्म और डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी की खरीद को मंजूरी दी है। इससे क्षेत्र में अक्षय ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ेगी और बिजली संकट दूर किया जा सकेगा।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने दिल्ली को स्मार्ट और स्वच्छ बनाने के लिए गुरुवार को कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी। इन योजनाओं में स्वच्छता, ऊर्जा, जल प्रबंधन और कर्मचारियों से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। बैठक की अध्यक्षता दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने की।

उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने बैठक के बाद बताया कि 25 वर्षों के लिए 120 मेगावाट फर्म और डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी की खरीद को मंजूरी दी है। इससे क्षेत्र में अक्षय ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ेगी और बिजली संकट दूर किया जा सकेगा। राजस्व संग्रह को पारदर्शी, कुशल बनाने के लिए मौजूदा मीटरों की जगह स्मार्ट एलटी और एचटी मीटर लगाए जाएंगे। 15,312 पुराने या क्षतिग्रस्त जल मीटरों को स्मार्ट मीटरों में बदला जाएगा।

उन्होंने बताया कि विभिन्न इलाकों में 33 केवी की पुरानी केबल लाइनों को बदला जाएगा ताकि बिजली आपूर्ति बाधित न हो। इसकी अनुमानित लागत 6.75 करोड़ रुपये है। जल निकासी व्यवस्था के लिए हाइड्रोलिक हाई प्रेशर जेटिंग मशीनें खरीदी जाएंगी। लोधी रोड स्थित सुनहरी नाले की डि-सिल्टिंग और सफाई का कार्य डीएमआरसी करेगा। राष्ट्रीय कार्यक्रमों और वीवीआईपी दौरों के दौरान शौचालय सुविधा सुनिश्चित करने के लिए तीन वर्षों की अवधि के लिए किराये पर अस्थायी शौचालय की व्यवस्था की जाएगी। कुशक नाले से कॉपरनिकस मार्ग तक पुरानी सीवर लाइन को पुनः बिछाने की स्वीकृति दी गई है।

उन्होंने बताया कि कला, संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हर साल कुल बजट का एक प्रतिशत हिस्सा इन कार्यों के लिए आवंटित किया जाएगा। इसके अलावा सरोजिनी नगर और पिल्लनजी गांव क्षेत्र में जीपीआरए परियोजना के तहत जल पाइपलाइन का स्थानांतरण किया जाएगा। पूर्व कर्मचारियों को मकान आवंटन में छूट, चिकित्सा भत्ते की मंजूरी, आशुलिपिक, निजी सहायक, वाणिज्यिक अधिकारी, बढ़ई, डेंटल असिस्टेंट सहित कई पदों के भर्ती नियम संशोधित किए गए हैं। बैठक में अध्यक्ष केशव चंद्र, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल, सांसद बंसुरी स्वराज, विधायक वीरेंद्र सिंह कादियान समेत अन्य सदस्य उपस्थित हुए।

दिल्ली में बाढ़ से निपटने की तैयारी... फ्लड कंट्रोल ऑर्डर 2025 जारी, 15 जून से शुरू होगा कंट्रोल रूम

नई दिल्ली (सं.)। दिल्ली को बाढ़ और जलभराव से बचाने के लिए सरकार ने तैयारी पूरी कर ली है। बुधवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में फ्लड कंट्रोल ऑर्डर 2025 जारी किया गया। यह आदेश सभी विभागों के लिए गाइडबुक की तरह काम करेगा, जिसमें जल निकासी, आपदा प्रबंधन और समन्वय के निर्देश हैं। 2023 की भीषण बाढ़ से सबक लेते हुए इस बार मानसून से पहले ही तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

दिल्ली सचिवालय में हुई एपेक्स कमेटी की बैठक में बाढ़ नियंत्रण की तैयारियों की समीक्षा हुई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 2023 में यमुना का जलस्तर 208.6 मीटर तक पहुंचने से कई इलाके डूब गए थे, जिससे भारी नुकसान हुआ। इस बार ऐसी स्थिति न हो, इसके लिए सभी विभागों ने पहले से काम शुरू कर दिया है। फ्लड कंट्रोल ऑर्डर 2025 में पीडब्लूडी, एमसीडी, दिल्ली जल बोर्ड, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग जैसी एजेंसियों की जिम्मेदारियां, संपर्क नंबर और आपदा प्रबंधन की पूरी जानकारी है। बैठक में कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, सांसद कमलजीत सेहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी, योगेंद्र चांदोलिया, बांसुरी स्वराज, विधायक जीतेन्द्र महाजन, मनोज कुमार शौकीन, अनिल कुमार शर्मा, शिखा रॉय और बाढ़ नियंत्रण में भूमिका निभाने वाली एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

नालों की सफाई में तेजी आई – मुख्यमंत्री ने कहा, नालों की सफाई में तेजी आई है। पीडब्लूडी और एमसीडी ने 80–90 फीसदी डी-सिल्टिंग पूरी कर ली है, जिसमें 20 लाख मीट्रिक टन गाद हटाई गई। सिंचाई विभाग के 419 किमी लंबे 57 नालों की सफाई के लिए 64 मशीनें लगी हैं। पीडब्ल्यूडी के 153 पंप हाउस में 749 पंप और एमसीडी के 79 स्थायी व 465 अस्थायी पंप तैयार हैं। दिल्ली जल बोर्ड का कंट्रोल रूम चौबीस घंटे काम करेगा, जहां सीवर की समस्याओं की शिकायत दर्ज होगी। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद और मनजिंदर सिंह सिरसा की अगुआई में सेक्टर कमेटियां बनाई गई हैं।

15 जून से शुरू होगा सेंट्रल फ्लड कंट्रोल रूम – 15 जून से डीएम ईस्ट ऑफिस में सेंट्रल फ्लड कंट्रोल रूम शुरू होगा, जो सभी एजेंसियों के साथ समन्वय करेगा। 15 वायरलेस स्टेशन यमुना के जलस्तर और जलभराव पर नजर रखेंगे। यमुना का जलस्तर 204.5 मीटर पार करने पर निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए 14 जगहों पर नावें तैनात होंगी। बैराज और रेगुलेटर की मरम्मत पूरी हो चुकी है।

पिछली सरकारों ने बाढ़ को गंभीरता से नहीं लिया : सीएम – मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले बाढ़ को गंभीरता से नहीं लिया गया, लेकिन अब सभी विभाग अलर्ट हैं। जलभराव वाले इलाकों में नोडल अधिकारी और मोबाइल पंप तैनात किए गए हैं। **पीडब्ल्यूडी का हेल्पलाइन नंबर (011-23490323, 8130188222, टोल-फ्री 1908) शिकायतों के लिए उपलब्ध है।**

समर्पण और सेवा का पर्याय हैं लाजपत बंसलः सामाजिक, धार्मिक और चिकित्सीय जगत में अनूठा योगदान

पीतमपुरा (सं.)। समाज को समर्पित जीवन जीने वाले लोग विरले होते हैं। उन्हीं में से एक हैं **पीतमपुरा के आनंद विहार निवासी, मृदुभाषी और कर्मठ समाजसेवी लाजपत बंसल,** जिनका जीवन समाज सेवा, धार्मिक आस्था और परोपकार के अद्वितीय संगम का उदाहरण है। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने जीवन के हर क्षेत्र में सेवा को ही अपना धर्म माना है चाहे व्यवसाय हो, समाज हो या धार्मिक आस्थाएं।

हरियाणा के जिला जींद स्थित गांव काब्रछा में जन्मे लाजपत बंसल ने रिठाला से अपने व्यवसायिक सफर की शुरुआत की। बाद में प्रशांत विहार और अब आनंद विहार, पीतमपुरा में उनका निवास है। नरेला में व्यवसाय करते हुए भी उन्होंने सामाजिक दायित्वों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल के मुख्य शिल्पकार – दिल्ली के रोहिणी क्षेत्र में स्थापित श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल की जब कल्पना की गई थी, तब उसे साकार करने में लाजपत बंसल की भूमिका अग्रणी रही। तन-मन-धन से उन्होंने इस अस्पताल की स्थापना और विस्तार में योगदान दिया। ट्रस्ट की किसी भी टीम में रहे हों, वह सदैव सर्वाधिक मतों से निर्वाचित हुए। उन्होंने सैकड़ों ट्रस्टियों को इस अस्पताल से जोड़ा और इस मिशन को जन आंदोलन का रूप दिया।

जब अस्पताल निर्माण के लिए धन की आवश्यकता थी, तब लाजपत बंसल ने स्वयं उदारतापूर्वक दान दिया और अपने संपर्कों से भी धनराशि जुटाई। उनकी दानवीरता के चलते आज 5772 ट्रस्टियों का यह विशाल परिवार उन्हें प्रमुख पद पर देखने की आकांक्षा रखता है।

सामाजिक संस्थाओं में नेतृत्व और योगदान – लाजपत बंसल न केवल श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल के वरिष्ठ उपप्रधान हैं, बल्कि महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल चैरिटेबल ट्रस्ट पंजाबी बाग के पैटर्न ट्रस्टी भी हैं, जो बहादुरगढ़ में मेडिकल यूनिवर्सिटी और 300 बेड के अस्पताल के साथ द्वारका और पंजाबी बाग में भी हॉस्पिटलों का संचालन करता है।

इसके अतिरिक्त वह अनेक धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं में सक्रिय हैं: राधा रमण मासिक सेवा आनंद विहार के चेयरमैन, रामलीला कमेटी पीयू ब्लॉक पीतमपुरा के सदस्य, अयोध्या के श्री राम सेवा सदन ट्रस्ट के पैटर्न ट्रस्टी, शक्ति आनंद मंदिर पीतमपुरा, अग्रवाल सभा प्रशांत विहार, गंगा धाम पांडू पिंडारा जींद में धर्मशाला निर्माणकर्ता, श्री खाटू श्याम विशाल मंदिर दिल्ली धाम के संस्थापक सदस्य, ISCON रोहिणी, ब्रज सेवा संस्थान, गौ सेवा संस्थान हरेवली, सनातन धर्म मंदिर प्रशांत विहार, दिल्ली सेवा सदन सालासर, विकलांग चेतना फाउंडेशन, दिल्ली नागरिक संघ, अग्रसेन आदर्श पब्लिक स्कूल पीतमपुरा, महिला सेवा संगठन, नॉर्थ एक्स ब्लाइंड वेलफेयर सोसायटी आदि जैसे सैकड़ों संगठनों में ट्रस्टी, संरक्षक या सलाहकार हैं।

श्री लाजपत बंसल जी

सम्मान और लोकप्रियता का प्रतीक – समाज ने उनके योगदान को समय-समय पर सराहा है। उन्हें अग्ररत्न, अग्रगौरव, अग्रविभूषण जैसे सम्मान प्रदान किए गए हैं। उनके विचारों की समानता श्री घनश्याम गुप्ता जावेरी से है, जो श्री खाटू श्याम विशाल मंदिर के राष्ट्रीय अध्यक्ष और हॉस्पिटल ट्रस्ट के संस्थापक हैं। दोनों मिलकर समाज सेवा की नई मिसालें स्थापित कर रहे हैं।

लाजपत बंसल की लोकप्रियता केवल वरिष्ठों तक सीमित नहीं है, युवा पीढ़ी में भी उनका विशेष प्रभाव है। श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल को यदि आज नो लॉस, नो प्रॉफिट के सिद्धांत पर चलते हुए भी सफलता की ऊंचाइयों पर देखा जा रहा है, तो इसमें लाजपत बंसल का योगदान अविस्मरणीय है।

लाजपत बंसल का जीवन समाज सेवा की जीवंत गाथा है। उनका कार्य, उनका दृष्टिकोण और उनके प्रयास समाज के लिए प्रेरणा हैं। यदि उन्हें श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल के प्रधान पद पर जिम्मेदारी मिलती है, तो निःसंदेह अस्पताल की प्रगति और जनसेवा नई ऊंचाइयों को छूएगी।

नांगलोई में हाईटेंशन तार के चपेट में आने से दो मासूम झुलसे, मकान की छत पर खेल रहे थे दोनों, अस्पताल में भर्ती

नांगलोई (सं.)। नांगलोई इलाके में हाईटेंशन तार के चपेट में आने से दो मासूम झुलस गए। परिवार वालों ने घायल दोनों बच्चों को तुरंत पास से अस्पताल में भर्ती कराया। घायल बच्चों की पहचान 10 साल के सूर्यांश और ऋतिक के रूप में हुई है। घटना

के समय दोनों मकान की छत पर खेल रहे थे।

बाहरी जिला के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि बुधवार शाम पुलिस को लक्ष्मी पार्क के सैनिक कालोनी में दो बच्चों के हाईटेंशन तार के चपेट में आकर घायल होने की सूचना मिली। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक परिवार और आस पास के लोग बच्चों को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती करा चुके थे।

जांच में पता चला है कि सूर्यांश 35 फीसदी और ऋतिक 19 फीसदी झुलस गया है। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और दोनों की हालत में सुधार है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवम सम्पादक : वीरेन्द्र कुमार द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सैक्टर-8, नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित तथा डी-4, प्रथम तल, सैफवे हाउस, सेन्ट्रल मार्किट, प्रशान्त विहार, दिल्ली-85 से प्रकाशित। नोट : न्यायालय सम्बन्धित सभी मामले दिल्ली में ही निपटाये जाएंगे। और लेखकों द्वारा व्यक्त किये गये विचारों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है।